

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 229 | गुवाहाटी | शनिवार, 22 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

फेक डॉक्यूमेंट उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

पेज 2

असम विधानसभा में भाजपा सांसद के मिनी बांग्लादेश बयान पर निंदा प्रस्ताव की मांग

पेज 3

असम की जेल में बंद अमृतपाल सिंह के 7 साथी पंजाब में शिफ्ट

पेज 5

हाँकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर छाप ...

पेज 7

मोदी सरकार ने ही किया नासूर बन चुकी समस्याओं के सम्पूर्ण उन्मूलन का प्रयास : गृहमंत्री

रास में गृह मंत्रालय के कामकाज को लेकर हुई चर्चा का शाह ने दिया जवाब

नई दिल्ली (हि.स.)। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को राज्यसभा में अपने मंत्रालय की कामकाज पर हुई चर्चा के जवाब में कहा कि उनकी सरकार ने देश की आंतरिक और सीमाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कई समयानुकूल बदलाव किए हैं। हमने तकनीक, राजनीतिक इच्छा शक्ति, विधि जरूरतों को पूरा करने के साथ सुरक्षा बलों का हौसला बढ़ाया है, जिससे देश में आज पहले से कहीं अधिक सुरक्षित माहौल है। राज्यसभा में हुई चर्चा का जवाब देते हुए गृहमंत्री ने करीब दो घंटे के अपने जवाब में तीन प्रमुख समस्याओं जम्मू कश्मीर में आतंकवाद, वामपंथी उग्रवाद और पूर्वोत्तर में अलगाववाद पर उनकी सरकार की ओर से उठाए गए निर्णायक कदमों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में ही इन नासूर बन चुकी समस्याओं के सम्पूर्ण उन्मूलन के प्रयास किए गए। सुरक्षा, विकास और सार्वभौमत्व की इन समस्याओं के कारण चार दशक में देश के करीब 92 हजार नागरिक मारे गए। गृहमंत्री ने इसके अलावा संगठित अपराध, ड्रग कारोबार और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन पर भी अपनी मंत्रालय की ओर से किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो



हम तो आतंकियों को देखते ही दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं

नई दिल्ली। राज्यसभा में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 के हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुई प्रगति की जानकारी राज्यसभा में दी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। शाह ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का भी जिक्र किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि

टॉलरेंस की नीति के साथ काम कर रही है। पूर्वोत्तर की समस्याओं को हम समाप्त करने के कगार पर हैं। इसके अलावा भारत 6 महीने में स्वदेशी एंटी ड्रोन मॉडल तैयार कर लेगा। देश 2014 से पहले आपदा प्रबंधन राहत केंद्रित था, अब बचाव केंद्रित दृष्टिकोण के साथ हम आगे आए हैं और इस देश में गत वर्ष में दो आपदाएं आई हैं, जिसमें जीरो मानव जीवन का नुकसान हुआ है। जम्मू-कश्मीर को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए गृहमंत्री ने कहा कि काला चरमा पहनने वालों को जम्मू कश्मीर में विकास नहीं दिखाई दे रहा। जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद विकास प्रयासों को बढ़ाया गया है। आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि

हिसाब मांगते हैं कि 370 से क्या हुआ? अरे हिसाब तो उनको दिया जाता है, जिनकी नजरें साफ होती हैं। जो काला चरमा पहनकर और आंख मूंदकर बैठते हैं... उनको विकास नहीं दिखेगा। गृह मंत्री ने आगे कहा कि किसी सदस्य ने ठीक ही कहा था कि कश्मीर तक पैदल यात्रा निकाली। अपने कार्यकर्ताओं के साथ बर्फ की होली भी खोली और कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

शीर्ष नागरिक राज्य पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को मिलेगा मुफ्त आवास

गुवाहाटी। असम सरकार ने शुक्रवार को राज्य के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के लिए असम भवन और सेंट्रल हाउस में मुफ्त आवास की घोषणा की। तत्काल प्रभाव से लागू की गई इस पहल के तहत असम वैभव, असम सौरभ और असम गौरव पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को एक बार में 15 दिनों तक रहने की अनुमति दी गई है। आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है कि पुरस्कार विजेताओं को आरंभ में सात दिनों के प्रवास की अनुमति होगी, जिसे आठ दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता है, जिससे एक बार में कुल प्रवास अवधि 15 दिन हो जाएगी। हालांकि, विस्तारित प्रवास -शेष पृष्ठ दो पर



असम विस में नए विश्वविद्यालयों के लिए विधेयक पेश

गुवाहाटी। असम सरकार ने शुक्रवार को तीन विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए विधेयक पेश किए और आठ अन्य को नियंत्रित करने वाले अधिनियमों में संशोधन का प्रस्ताव रखा। शिक्षा मंत्री रजो जेठू ने सदन में विधेयक पेश किए, जिसमें असम निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2007 और श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम, 2007 में संशोधन की मांग करने वाले दो अतिरिक्त विधेयक शामिल हैं। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना का प्रस्ताव करने वाले विधेयकों में -शेष पृष्ठ दो पर



केंद्र ने अवैध प्रवासियों एससी से कहा-

13 को भेजा गया, असम में बचे बाकी बांग्लादेशियों को वापस भेजने पर विचार-विमर्श जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय को सूचित किया कि अब तक 13 बांग्लादेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेज दिया गया है तथा असम के हिरासत केंद्रों में रह रहे शेष अवैध प्रवासियों को वापस भेजने के लिए विचार-विमर्श जारी है। मामले की सुनवाई जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस उज्ज्वल भुयान की पीठ ने की। केंद्र और असम सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि सबसे पहले यह पता लगाना जरूरी



है कि क्या ये बंदी बांग्लादेशी नागरिक हैं, इसलिए निर्वासन की प्रक्रिया में बांग्लादेश उच्चायोग को शामिल किया जाना चाहिए। मेहता ने कहा कि हिरासत में लिए गए विदेशियों की राष्ट्रीयता स्थिति सत्यापन प्रारूप विदेश मंत्रालय को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें तभी वापस भेजा जा सकता है जब बांग्लादेश इसके उज्ज्वल भुयान की पीठ ने की। केंद्र और असम सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि सबसे पहले यह पता लगाना जरूरी

नीतीश कुमार पर राष्ट्रगान का अपमान करने का आरोप, मामला दर्ज

पटना (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ मुजफ्फरपुर के एससीजेएम कोर्ट में मुकदमा दाखिल कराया गया है। यह मुकदमा राष्ट्रगान के अपमान करने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता के धारा 298, 352 राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम धारा 2, 3 के तहत दर्ज कराया गया है। पटना के एक कार्यक्रम में राष्ट्रगान के दौरान मुख्यमंत्री पर अभिवादन करने का आरोप लगा था। अधिवक्ता सूरज कुमार ने मुजफ्फरपुर एससीजेएम पश्चिमी कोर्ट में मामला दर्ज कराया है। अधिवक्ता सूरज कुमार ने -शेष पृष्ठ दो पर



एएमबीए की चुराचांदपुर के वकीलों से अपील, कहा- सुप्रीम कोर्ट के जज को कुकी-जो बहुल क्षेत्र जाने से न रोकें

इंफाल / चुराचांदपुर। ऑल मणिपुर बार एसोसिएशन (एएमबीए) ने चुराचांदपुर जिले के अपने समकक्ष से सुप्रीम कोर्ट के मैटैई न्यायाधीश को कुकी-जो बहुल क्षेत्र का दौरा करने से रोकने वाले अपने निर्देशों को वापस लेने का आग्रह किया है। बता दें कि, न्यायमूर्ति बीआर गार्ड, सूर्यकांत, विक्रम मैटैई समुदाय से हैं। इस मामले में एएमबीए ने चुराचांदपुर जिला बार एसोसिएशन से न्यायाधीश -शेष पृष्ठ दो पर



सिंह समेत छह सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट प्रतिनिधिमंडल शनिवार को जातीय हिंसा से प्रभावित पूर्वोत्तर राज्य का दौरा करने वाला है। वे इस यात्रा के दौरान चुराचांदपुर जिले में राहत सामग्री वितरित करेंगे। न्यायमूर्ति एन कोटिस्वर सिंह डिप्टी स्पोकर्स हैं। इस मामले में एएमबीए ने चुराचांदपुर जिला बार एसोसिएशन से न्यायाधीश -शेष पृष्ठ दो पर

असम विस में अराजकता, सत्तारूढ़ विधायक ने सदस्यों को दी अभद्र भाषा में धमकी

गुवाहाटी। असम विधानसभा के चल रहे सत्र में शुक्रवार को अभूतपूर्व दृश्य और अराजकता देखी गई, जब भाजपा विधायक रूपन्योति कुर्मी ने विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया और राजजोर दल के विधायक अखिल गोगोई का माइक तोड़ने की धमकी दी। भाजपा विधायक ने विधायक शेरमन अली को धमकाया और उन्हें उनकी सीट से भगा दिया, जिससे विपक्षी सदस्यों ने कुर्मी को सत्र से बाहर निकालने की मांग की। हालांकि, डिप्टी स्पोकर्स डॉ. नोमल मोमिन ने स्थिति को नियंत्रित किया और कुर्मी ने अपने व्यवहार के



उस समय कुछ इशारा किया जब कुर्मी सदन में बोलने वाले थे। उज्जित कुर्मी ने पहले गोगोई पर चिल्लाया और धमकी दी कि वह उनके पास जाकर उनका माइक तोड़ देंगे। गोगोई पर हमला करते हुए कुर्मी ने कहा कि मैं आपके पास आकर आपका माइक तोड़ दूंगा। जब मैं बोल रहा हूँ तो मुझे परेशान मत करना, नहीं तो मैं आपके पास खड़ा हो जाऊंगा और आपको बोलने नहीं दूंगा। सदन में अराजकता को देखते हुए विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया और एक अन्य विधायक शेरमन अली ने अपनी -शेष पृष्ठ दो पर

भारत ने कोयला उत्पादन में एक अरब टन का आंकड़ा पार किया : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत ने कोयला उत्पादन में एक अरब टन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। रेड्डी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत ने कोयला उत्पादन में एक अरब टन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की एक अरब टन कोयला उत्पादन की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की है। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने एक्स पोस्ट में बताया कि देश ने एक -शेष पृष्ठ दो पर



न्यूज गैलरी

ट्रंप ने अमेरिका में शिक्षा विभाग पर लगाया ताला

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शिक्षा विभाग को बंद करने के लिए एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए। ट्रंप ने शिक्षा विभाग को बेकार और उदारवादी विचारधारा से दूषित करार दिया। हालांकि ट्रंप के लिए शिक्षा विभाग को बंद करना आसान नहीं है -शेष पृष्ठ दो पर

भाषा को लेकर विभाजन के खिलाफ सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए: संघ

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मानना है कि भाषा के नाम पर देश में चल रही विभाजन की राजनीति को काटने के लिए सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए। वहीं परिशिप्तन के मुद्दे पर उत्तर भारत बनाम दक्षिण भारत के विषय पर संघ ने कहा है कि गृहमंत्री इस संबंध में आश्वासन दे चुके हैं कि लोकसभा सीटों का अनुपात पहले के समान ही रहेगा। संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की -शेष पृष्ठ दो पर

कर्नाटक विधानसभा में बवाल, 18 विधायक छह महीने के लिए निलंबित, मार्शलों ने टांगकर बाहर किया

बंगलूरु। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार का दिन हंगामे के नाम रहा। हनी ट्रेप और मुसलमानों के लिए चार प्रतिशत आरक्षण को लेकर सदन में भाजपा विधायकों ने जमकर नारेबाजी की। इसी क्रम में कर्नाटक विधानसभा में विरोध प्रदर्शन कर रहे 18 भाजपा विधायकों को अनुशासनहीनता के आरोप में तत्काल प्रभाव से छह महीने के लिए निलंबित कर दिया। जिसके बाद मार्शलोंने उन्हें जबरन सदन से बाहर निकाला। कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष

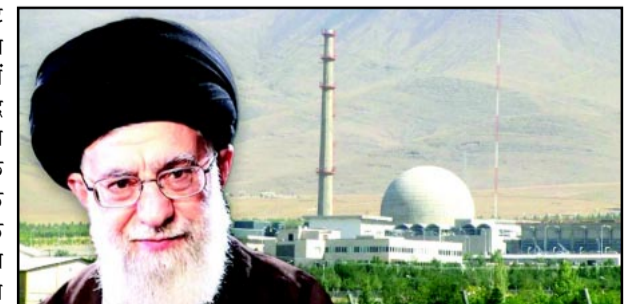


यूटी खदर ने यह कार्रवाई विधानसभा को कार्यवाही में बाधा डालने वाले विधायकों के खिलाफ की। आरोप है कि विधानसभा में हंगामा कर रहे भाजपा

विधायकों ने न सिर्फ अध्यक्ष के आदेशों की अवहेलना की बल्कि अनुशासनहीन तथा अपमानजनक तरीके से व्यवहार भी किया। जिसके बाद कर्नाटक के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच.के. पाटिल ने उनके निलंबन के लिए विधानसभा में प्रस्ताव रखा, जिसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा को कार्यवाही में बाधा डालने के लिए 18 भाजपा विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव पारित किया। -शेष पृष्ठ दो पर

जंग के बीच ईरान ने बना लिया परमाणु बम! धरती कांपने से अमेरिका तक भूकंप

तेहरान। ईरान के नातांज परमाणु प्लांट के पास गुरुवार को 5.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे पूरी दुनिया में हलचल मच गई। यह झटका बादरूद क्षेत्र में महसूस किया गया, जो ईरान के मुख्य यूरेनियम केंद्र नातांज से सिर्फ 26 किलोमीटर दूर स्थित है। इसके कुछ घंटों बाद, 4.5 तीव्रता का एक और झटका आया, जिससे इस क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। भूकंप के कारण कई मकानों की खिड़कियां टूट गईं, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि, ईरान ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि इस भूकंप से उसके परमाणु केंद्र को कोई



नुकसान हुआ है या नहीं। ऐसे में यह भी सवाल भी उठ रहा है कि कहीं ईरान ने परमाणु बम तो नहीं बना डाला। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED
<p>For all kinds of classified advertisements please contact</p>
<p>97070-14771 <p>86382-00107</p></p>

MURTI AVAILABLE
<p>Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shiviling, Nandi etc. ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, Ph. : 94350-48866, 94018-06952</p>

असम के रास्ते भारत में घुसते थे बांग्लादेशी फेक डॉक्युमेंट उपलब्ध कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में प्रवेश और बसने में मदद करने वाले एक सिंडिकेट का भंडाफोड़ करते हुए तीन बांग्लादेशी नागरिकों और उनके भारतीय सहयोगी को गिरफ्तार किया है। यह सिंडिकेट असम के रास्ते बांग्लादेशी नागरिकों को तस्करी करने और जाली दस्तावेजों का उपयोग करके दिल्ली-एनसीआर में उनके अवैध तरीके से बसने में शामिल था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान सरगना बांग्लादेश के जिला सुनामगंज निवासी मोहम्मद इकबाल हुसैन उर्फ फहान खान, रजीब मियां उर्फ राहुल बिस्वास उर्फ अमित यादव,

मोहम्मद मोमिन बादशा उर्फ मोहम्मद मोमिन हुसैन उर्फ जितेंद्र यादव और ओखला फेज–2 निवासी अग्रसेन कुमार के रूप में हुई है, जो फर्जी तरीके से अवैध बांग्लादेशियों के लिए आधार कार्ड बनाने में शामिल था। पुलिस ने इनके कब्जे से भारतीय पासपोर्ट, आधार, मतदाता, पैन कार्ड, भारतीय नामों के ड्राइविंग लाइसेंस और साथ ही उनके बांग्लादेशी दस्तावेजों सहित भारी मात्रा में आपक्तिजनक सामग्री जब्त की है। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त विक्म सिंह के मुताबिक, इस्पेक्टर विजय पाल दहिया और एसपी नरेश सोलंकी को निगरानी में टीम ने दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिलों के साप्ताहिक

वाजारों में सूत्रों को तैनात किया, जहां अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के कपड़े के व्यापार में सक्रिय होने का संदेह था। एएसआई कृष्ण पांडे और सिपाही संजय ने खुफिया जानकारी हासिल करने के लिए साप्ताहिक बाजारों में परिधान विक्रता के रूप में काम किया। उन्हें गुप्त जानकारी मिली कि मोहम्मद इकबाल हुसैन दिल्ली में अवैध रूप से रह रहा है और अपने परिधान व्यवसाय को बढ़ाने के लिए बांग्लादेशी नागरिकों की तस्करी कर रहा है। सूचना पर टीम ने कई छापे मारे और आरोपित को नेहरू प्लेस से और रजीब मियां और मोहम्मद मोमिन को बदरपुर बार्डर से गिरफ्तार किया।

आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों ने लगातार उभरते आतंकवाद पर चिंता जताई

नई दिल्ली (हि.स.)। आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों की बैठक में आतंकवाद और उग्रवाद से निपटने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। बैठक का उद्देश्य आसियान देशों के रक्षा बलों और उसके संवाद भागीदारों के जमीनी अनुभव को साझा करना था। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। आतंकवाद के मुद्दे पर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक–प्लस (एडीएमएम–प्लस) विशेषज्ञ कार्य समूह (सीटी पर इंड्यूएमए) की 14वें बैठक 19 से 20 मार्च तक नई दिल्ली में हुई। बैठक में आसियान सचिवालय, आसियान देशों– लाओ पीडीआर, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम, एडीएमएम–प्लस सदस्य राज्यों में चीन, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कोरिया गणराज्य के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया। बैठक के दौरान भारत और मलेशिया ने 2024–27 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। इस दौरान 2026 में मलेशिया में विशेषज्ञ कार्य

समूह के लिए टेबल–टॉप अभ्यास और 2027 में भारत में फोल्ड प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित करने का एलान किया गया। दो दिवसीय बैठक के दौरान आतंकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरे से निपटने के लिए एक मजबूत और व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य आसियान देशों के रक्षा बलों और उसके संवाद भागीदारों के जमीनी अनुभव को साझा करना था। बैठक ने वर्तमान चक्र के लिए गतिविधियों, अभ्यासों, बैठकों और कार्यशालाओं की नींव रखी। बैठक में भाग लेने वाले देशों और आसियान सचिवालय के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने क्षेत्र में आतंकवाद का मुक़ाबला करने के प्रयासों पर अपने विचार रखे। सांस्कृतिक दौरे के हिस्से के रूप में प्रतिनिधियों ने आगरा का भी दौरा किया। उद्घाटन सत्र में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मुख्य भाषण दिया और उद्घाटन समारोह के दौरान भाग लेने वाले प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं।

कोटपूतली में भीषण सड़क हादसा, तीन की मौत

जयपुर (हि.स)।कोटपूतली में दिल्ली–जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 48 पर शुक्रवार सुबह मोरदा पुलिया के पास एक तेज रफ्तार ट्रॉले ने कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई, जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। डीएसपी राजेंद्र बुरडुक ने बताया कि कार में सवार श्रद्धालु दिल्ली से खाटूश्यामजी के दर्शन के लिए जा रहे थे। हादसे के समय कार में कुल सात लोग मौजूद थे। मुतकों की पहचान रेखा (पत्नी नरेंद्र सिंह जाट), पार्थ (8 वर्ष, पुत्र सुनील कुमार) और कामेरा (पत्नी हरेंद्र) के रूप में हुई है, जो सभी मेरठ के निवासी थे। गंभीर रूप से घायल यात्रियों में ज्योति जाट (34) निवासी खाना खेड़ा, मेरठ; रश्मि जाट (35) और हिमांशु जाट (38) निवासी थाना पलवल, हरियाणा; तथा हेमराज गुजर (22) निवासी थाना पाटन, जिला सीकर शामिल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही पनियाला पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल भेजा गया।

एम्स नई दिल्ली ने स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में एक मानक स्थापित किया है : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को भारत मंडपम में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के 49वें दीक्षांत समारोह में कहा कि एम्स नई दिल्ली ने स्वास्थ्य सेवा और चिकित्सा शिक्षा में एक मानक स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि आज स्नातक होने वाले डॉक्टर और शोधकर्ता हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि एम्स गीता के कर्मयोग की चलती हुई प्रयोगशाला है। दीक्षांत समारोह के

दौरान विभिन्न विषयों में कुल 1,886 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 77 पीएचडी स्कॉलर, 363 डीएम एवं एमसीएच विशेषज्ञ, 572 एमडी, 76 एमएस, 49 एमडीएस, 74 फेलोशिप, 172 एमएससी, 191 एमबीबीएस और 312 बीएससी शामिल हैं। एम्स में सराहनीय सेवाओं के लिए 8 डॉक्टरों को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। 28 छात्रों और डॉक्टरों को पदक और पुस्तक पुरस्कार जबकि 9 को प्रशंसा पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रकाश डाला कि एम्स एक गौरवपूर्ण मेड–इन–इंडिया सफलता की कहानी है और यह

पूरे देश में अनुकरणीय मॉडल है। यह विशेष रूप से कोविड–19 जैसी महामारी के समय में पथप्रदर्शक अनुसंधान में सबसे आगे रहा है। उन्होंने कहा कि एम्स की जिम्मेदारी स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और अनुसंधान से परे है। यह एक ऐसे माहौल को बढ़ावा देने तक फैली हुई है जहां हर हितधारक को आवाज सुनी जाती है, जहां संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग किया जाता है और जहां उत्कृष्टता आदर्श है। आज स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियों को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा में प्रगति के साथ जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है।

पृष्ठ एक का शेष

लिए कि इसकी स्थापना के दौरान लगाई गई शर्तों का पालन किया गया है या नहीं, राज्य सरकार द्वारा हर तीन साल में एक बार विश्वविद्यालय का निरीक्षण करने का प्रावधान भी प्रस्तावित करता है। संशोधन विधेयक में कहा गया है कि शर्तों के अनुपालन में किसी भी तरह की चूक से विश्वविद्यालय को भंग किया जा सकता है। पेगू ने मुख्यमंत्री की ओर से श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किया, जिनके पास चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग भी है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्धता के लिए आवेदन करने वाले संस्थान/संगठन/निकाय राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा पैदा न करें, प्रकृति में धर्मनिरपेक्ष हो और संस्थानों की स्थापना के लिए कानूनी धारा का उपयोग कर रहे हों। मंत्री ने उलर लाखीमपुर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, कोकराझाड़ विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, नगांव विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, जगन्नाथ बरूआ विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, गुरुचरण विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, बंगाईगांव विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025, शिवसागर विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 और शहीद कनकलता बरूआ राज्य विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025 भी पेश किए। आठ विधेयकों में प्रस्ताव है कि इन विश्वविद्यालयों के पहले कुलपति की नियुक्ति राज्य सरकार करेगी, और कुलाधिपति सलाहकार बोर्ड की सिफरिश पर बाद के कुलपतियों की नियुक्ति करेंगे।

13 को भेजा गया...

लेकिन उनकी राष्ट्रीयता ज्ञात है, तथा दूसरी श्रेणी में वे लोग शामिल हैं जिन्हें न्यायाधिकरण ने गैर–भारतीय घोषित किया है, लेकिन उनकी राष्ट्रीयता ज्ञात नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय को बताया गया कि केंद्र सरकार राजनयिक प्रयास कर रही है और बांग्लादेश दूतावास के साथ विचार–विमर्श कर रही है ताकि पहले बंदि्यों को अपना नागरिक स्वीकार किया जा सके। मेहता ने कहा कि अगला कदम यात्रा दस्तावेज होंगे, जिन्हें बांग्लादेश लौटने के लिए संसाधित करना होगा। प्रस्तुतियां सुनने के बाद, पीठ ने केंद्र और असम सरकार को 30 अप्रैल तक अद्यतन स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के लिए समय देने पर सहमति व्यक्त की। पीठ ने गुवाहाटी उच्च न्यायालय को कुछ बंदि्यों की याचिकाओं पर सुनवाई जारी रखने की अनुमति दे दी, जिन्होंने विदेशी न्यायाधिकरण के फैसले को चुनौती दी थी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 6 मई को तय की है। सर्वोच्च न्यायालय ने फरवरी में असम सरकार को विदेशी घोषित किए गए लोगों को निर्वासित किए बिना अनिश्चित काल तक हिरासत केंद्रों में रखने के लिए फटकार लगाई थी और कहा था कि क्या वह *किसी मुहूर्त* का इंतजार कर रही है। इससे पहले, केंद्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय को अवगत कराया था कि असम में विदेशी घोषित किए गए व्यक्तियों के निर्वासन का मुद्दा *उच्चतम कार्यकारी स्तर* पर विचाराधीन है। सर्वोच्च न्यायालय असम में निर्वासन और हिरासत केंद्रों में सुविधाओं के पहलू से संबंधित याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

असम विस में ...

आवाज उठाई और चेयर से कुर्मी को तुरंत बाहर निकालने की अपील की। बाद में कुर्मी ने अली का पीछा भी किया, जिन्होंने उनके व्यवहार पर आपत्ति जताई। शेरमल अली ने कहा कि इस तरह की घटना सदन में पहले कभी नहीं हुई। सदन के एक सदस्य (कुर्मी) ने सदन में उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए अस्सदीय शब्दों पर जब आपत्ति जताई तो वे मुझे पीटने वाले थे। कुर्मी ने एक सदस्य का माइक तोड़ने की धमकी दी और जब मैंने इस पर आपत्ति जताई तो वह मुझे पीटने के लिए मेरे पीछे दौड़े। यह नदीनीय है और अध्यक्ष को कुर्मी को सदन से शेष बच के लिए निष्कासित करना चाहिए। बोडो और पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के विधायक दुर्गा दास बोरो ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि सदन के सदस्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करना अध्यक्ष की जिम्मेदारी है। अखिल गोंगों ने कहा कि यह संभवतः पहली घटना है जब किसी सदस्य ने सदन के अंदर विपक्ष के नेता को पीटने की कोशिश की है। सतारूद्द दल के सदस्य ने सदन के अंदर अभद्र भाषा का भी इस्तेमाल किया है और इसके जांबजूद, अध्यक्ष ने दोषी सदस्य के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा कि यह असम में सरकार के फासीवादी रवैये को दर्शाता है।

सुप्रीम कोर्ट के जज...

के दौरे का स्वागत करने का आग्रह किया है, इस बात पर जोर देते हुए कि यह राजनीति से प्रेरित नहीं है। एएमबीए की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए, चुराचांदपुर जिला बार एसोसिएशन ने कहा कि मैतेई जज को जिले में प्रवेश करने से रोकने वाला उसका नोटिस दुर्भाग्यव से प्रेरित नहीं था, बल्कि जनता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया गया था। चुराचांदपुर में वकीलों के संगठन की अध्यक्ष ग्रेस चिनहोइहनिंग्यां ने बताया कि मैतेई समुदाय, खासकर जजों के खिलाफ कोई दुर्भाग्यवना नहीं है। स्थिति ने हमें विवश जारी करने के लिए मजबूर किया। नागरिक निकायों ने दौरे के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था, और हमने किसी भी अवांछित घटना को रोकने के लिए निर्देश जारी किया। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से जज की सुरक्षा के लिए है। लोग भावुक हैं, और राज्य में चल रहे जातीय संकट को देखते हुए, तनाव बहुत अधिक है। एएमबीए की तरफ से यह अनुरोध चुराचांदपुर में

मोदी सरकार ने ...

आई। गृहमंत्री ने पूर्वोत्तर की समस्या के समाधान के लिए किए गए प्रयासों की जानकारी दी और कहा कि अब वहां अलगाववादी घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। इसके अलावा नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों की होने वाली मौतों में भी बड़ी संख्या में कमी आई है। पूर्वोत्तर में हमने 12 शांति समझौते किए हैं। 10,900 युवा मुख्य धारा में लौटे हैं। चोटियों पर बसे गांव, जिन्हें भारत का अंतिम गांव माना जाता था प्रथममंत्री मोदी ने भारत के अंतिम गांव को भारत का प्रथम गांव कहा। यह सोच में बदलाव दर्शाता है। गृहमंत्री ने बताया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को मजबूत करने के लिए एनआईएक्ट में संशोधन किया गया है। देश की सरकार दूर दृष्टि के साथ काम कर रही है और पीएफआई जैसे संगठनों पर लगाम लगा रही है ताकि सर उठाने से पहले ही उसे कुचल दिया जाए। पंजाब में कुछ लोग नए भिंडरवाला बनने की कोशिश कर रहे थे, हमने सुनिश्चित किया कि वे पंजाब में भाजपा सरकार नहीं होने के बावजूद जेल में सड़ें। शाह ने कहा कि उनकी सरकार देश से नारकोटिक्स की तस्करी को रोकने को लेकर प्रतिबद्ध है। 2014 से 2014 के दौरान 25 लाख किग्रा ड्रग्स जब्त की गईं, जबकि 2015 से 2024 के दौरान एक करोड़ किग्रा ड्रग्स जब्त की गईं। कुछ सदस्यों ने कहा कि आपके समय में ड्रग्स की समस्या बढ़ गई है। दरअसल, समस्या बढ़ी नहीं बल्कि पहले से बढ़ी हुई थी। हमने पकड़ना शुरू किया है। अंतर्राष्ट्रीय सीमा से ड्रग्स अफगानिस्तान से श्रीलंका की ओर जाते हैं। विपक्ष बार–बार कहता है कि गुजरात से ड्रग्स बचों पकड़ी जाती है ? हम कहना चाहते हैं कि हर राज्य पकड़े। ड्रग्स अंतर्राष्ट्रीय सीमा से पकड़ी जा रही है। हमारी सरकार का नियम है न एक किलो ड्रग्स भारत आने देंगे और न ही बाहर जाने देंगे। शाह ने बताया कि मिशन स्पंदन के माध्यम से हमने नशीली दवाओं की लत की पहचान करने और नशीली दवाओं की लत को मिटाने के लिए उपचार प्रदान करने का लक्ष्य रखा। हमने नशा मुक्त भारत सपथ और ऑनलाइन ई–प्रतिज्ञा को लॉन्च किया, जिसमें 3 करोड़ युवाओं ने अन्य कदमों के बीच ऑनलाइन प्रतिज्ञा ली। हालांकि, मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि केंद्र सरकार अकेले इस मुद्दे को नहीं मिटा सकती है। इसमें सभी का योगदान देना चाहिए। यदि आप में से किसी के ध्यान में इस तरह की कोई खबर आती है तो कृपया इसे ऑनलाइन रिपोर्ट करें।

हम तो आतंिकियों ...

मुझे दूर से आतंकवादी दिखाई पड़ा था। गृह मंत्री शाह ने राहुल गांधी की चुटकी ली और कहा कि अरे भाई, जिनकी नजर में ही आतंकवादी है तो आपको सपने में भी नजर आएगा और आपको कश्मीर में भी दिखाई पड़ेगा। हम तो आतंकवादी देखते ही सीधा दो आंखों के बीच में गोली मारते हैं। हमारी सरकार न आतंकवाद को सह सकती है और न ही आतंकवादियों को।

शीर्ष नागरिक राज्य ...

का लाभ उठाने के लिए, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) को gad.assam@gov.in पर कम से कम एक सप्ताह पहले पूर्व सूचना भेजनी होगी। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नीति अगले आदेश तक लागू रहेगी। असम के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, अर्थात् असम बैभव, असम सौरभ और असम गौरव, उन व्यक्तियों को उपलब्धियों को मान्यता देने और उनका सम्मान करने के लिए शुरू किए गए थे, जिन्होंने समाज में असाधारण योगदान दिया है, चाहे वह सार्वजनिक सेवा, साहित्य, खेल, संस्कृति या अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हो। ये पुरस्कार हर साल असम दिवस (2 दिसंबर) पर दिए जाते हैं और इन्हें राज्य द्वारा नागरिक सम्मान का सर्वोच्च रूप माना जाता है। इन तीनों में असम बैभव सर्वोच्च है, उसके बाद असम सौरभ और असम गौरव हैं।

असम विस में ...

से एक एड्टेक कौशल विश्वविद्यालय विधेयक, 2025 है, जिसका उद्देश्य नई शिक्षा नीति के अनुरूप सीखने, मूल्यांकन और अनुसंधान को आगे बढ़ाने पर केंद्रित एक निजी विश्वविद्यालय बनाना है। विषय शिक्षा मिशन द्वारा प्रायोजित, प्रस्तावित संस्थान अनुसुक्रिया में स्थित होगा। उच्च शिक्षा, उन्नत शिक्षा को बढ़ावा देने और अनुसंधान को बढ़ावा देने के समान उद्देश्यों के साथ, *स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय विधेयक, 2025* और *मां कामाख्या विश्वविद्यालय विधेयक, 2025* मंत्री द्वारा पेश किए गए। सोशल एक्शन एंड रिसर्च फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित, प्रस्तावित स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय का स्थायी परिस्तर चिरांग जिले के उदालगुरी में और संचालन परिस्तर कोकराझाड़ में होगा। गबेशोना एड्युवर्सिटी फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित प्रस्तावित मां कामाख्या विश्वविद्यालय सिपाझार में स्थित होगा। पेगू द्वारा प्रस्तुत *असम निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2025* भी छात्रों, संकायों और अन्य कर्मचारियों के धर्मतरण से संबंधित किसी भी गतिविधि में शामिल होने से विश्वविद्यालयों पर प्रतिबंध लगाता है। इसने यह भी प्रस्ताव दिया कि विश्वविद्यालय 1 अप्रैल, 2025 से कृषि, पशु चिकित्सा, डेयरी और अन्य संबद्ध विषयों से संबंधित कोई भी नया तकनीकी, चिकित्सा, पेरा–मैडिकल, नर्सिंग और अन्य तकनीकी पाठ्यक्रम नहीं खोलेगा। संशोधन ने गृह और राजनीतिक विभाग, असम सरकार से प्रायोजक निकाय के पूर्ववृत्त या मिसाल के संबंध में सुरक्षा मंजूरी रिपोर्ट का प्रस्ताव रखा। यह सत्यापित करने के

असम विधानसभा में भाजपा सांसद के मिनी बांग्लादेश बयान पर निंदा प्रस्ताव की मांग



गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में शुक्रवार को विपक्षी विधायकों ने भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी के धुबडी को *मिनी बांग्लादेश* कहने वाले बयान की कड़ी आलोचना करते हुए उनके खिलाफ

निंदा प्रस्ताव लाने की मांग की। विपक्ष के नेता और कांग्रेस विधायक देबब्रत सैकिया ने कहा कि त्रिवेदी का यह बयान असम के लिए अपमानजनक है और इसे किसी भी सूत्र में बर्दाश्त नहीं किया

जा सकता। उन्होंने कहा कि असम विधानसभा को इस बयान की आधिकारिक रूप से निंदा करनी चाहिए। राज्यसभा में दिए गए त्रिवेदी के इस बयान के बाद राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है। उन्होंने मतदाता दोहराव (वोट डुप्लीकेट) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) को लेकर विपक्षी दलों के रुख पर सवाल उठाए थे। भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता रवींद्र कुलुव से 10 लाख से अधिक मतों से मिली जीत का हवाला देते हुए कहा कि जब हमारे ही साथी धुबडी को मिनी-बांग्लादेश कहते हैं, तो एनआरसी का विरोध क्यों किया जा रहा है? त्रिवेदी के बयान पर विपक्ष का विरोध बढ़ता जा रहा है और असम की राजनीति में इसको लेकर घमासान तेज हो गया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि विधानसभा इस निंदा प्रस्ताव को स्वीकार करती है या नहीं।

पोक्सो मामले में असम के पुलिस अधिकारी को पांच साल की सजा

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव जिले के अभयापुरी में एक महत्वपूर्ण फैसले में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने निर्लंबित पुलिस अधिकारी निजामुद्दीन भुइयां को पोक्सो अधिनियम के तहत पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। 2018 में एक नाबालिग से यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी पाए जाने पर यह सजा दी गई। अदालत ने 50,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया, जिसे न भरने पर भुइयां को तीन महीने अतिरिक्त कारावास भुगतान होगा। पीड़िता ने 2018 में मामला दर्ज कराया था, जिसके बाद भुइयां को निर्लंबित कर दिया गया था। इस सजा के साथ यौन अपराधों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है और न्याय की एक मिसाल कायम हुई है।

असम में मवेशी संरक्षण कानून में संशोधन व्यक्तिगत परिवहन को मिली अनुमति

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने *असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021* में संशोधन करने के लिए एक विधेयक पेश किया है, जिससे अब व्यक्तिगत रूप से भी कृषि, पशुपालन और व्यापार जैसे वैध उद्देश्यों के लिए मवेशियों का परिवहन किया जा सकेगा। पहले केवल पंजीकृत एजेंसियों और फार्मों को ही इस तरह के परिवहन की अनुमति थी। विधानसभा में यह संशोधन मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा को ओर से संसदीय कार्य मंत्री चंद्रमोहन पटोवारी ने प्रस्तुत किया। यह संशोधन व्यक्तियों को भी यह अधिकार देता है। *असम मवेशी संरक्षण (संशोधन) विधेयक, 2025* के उद्देश्य और कारण वक्तव्य के अनुसार, यह संशोधन 3 दिसंबर 2024 को गुवाहाटी उच्च न्यायालय के एक फैसले (डब्ल्यूपी (सी)/2495/2022) के अनुरूप है, जिसमें व्यक्तिगत रूप से मवेशियों के परिवहन की अनुमति लेने के अधिकार को मान्यता दी गई थी। उल्लेखनीय है कि मूल अधिनियम अगस्त 2021 में पारित किया गया था, जो असम में मवेशियों के वध, उपभोग और परिवहन को नियंत्रित करता है।



मणिपुर के माओवादी संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के उग्रवादी गुवाहाटी में गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी सिटी पुलिस ने एक विशेष अभियान के तहत मणिपुर में सक्रिय माओवादी अलगाववादी संगठन कंगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वॉर ग्रुप-केसीपी-पीडब्ल्यूजी) के दो प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह संगठन जबन वसूली और हथियारों की अवैध तस्करी में लिप्त रहा है। गुप्त सूचना के आधार पर गुवाहाटी के गरचुक थाना क्षेत्र के आईएसबीटी से गिरफ्तार किए गए इन आरोपियों की पहचान मंसम बंगोचोबा सिंह (42, निवासी: हाओटाक टाम्पा खुन्ही, थाना कुंबी, जिला बिष्णुपुर) प्रोफाइल: हथियार आपूर्तिकर्ता) तथा टेक्सा इबोमचा सिंह (42, निवासी: गांव पुखाओ, थाना सगोलामांग, जिला इफाल इस्ट)।

असम में प्रश्नपत्र लीक होने पर परीक्षा स्थगित, जांच शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार ने कक्षा 9 की अंग्रेजी परीक्षा को पेपर लीक होने के बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई थी। असम राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एसएसईबी) ने एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष की गणित परीक्षा को स्थगित किया गया है। परीक्षा की नई तिथि की घोषणा अभी नहीं की गई है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने

बरपेटा जिले में गुरुवार को कक्षा 9 की अंग्रेजी परीक्षा का पेपर लीक होने के बाद परीक्षा स्थगित कर दी गई थी। असम राज्य विद्यालय शिक्षा बोर्ड (एसएसईबी) ने एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण उच्चतर माध्यमिक प्रथम वर्ष की गणित परीक्षा को स्थगित किया गया है। परीक्षा की नई तिथि की घोषणा अभी नहीं की गई है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने



बाद में बताया कि प्रश्नपत्र लीक होने के कारण यह फैसला लिया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच जारी है और कानूनी प्रक्रिया के तहत उचित कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, असम के बरपेटा जिले में भी कक्षा 9वीं की अंग्रेजी परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक होने का मामला सामने आया है। यह परीक्षा 20 मार्च को आयोजित की जानी थी, लेकिन सोशल मीडिया पर पेपर लीक होने के बाद इसे भी

स्थगित कर दिया गया। बरपेटा के स्कूल निरीक्षक रतुल कुमार दास ने विद्यालय प्रमुखों को परीक्षा स्थगित होने की आधिकारिक सूचना दी। जिला स्तरीय आंतरिक परीक्षा समिति के सूत्रों ने बताया कि 19 मार्च को प्रश्नपत्र लीक होने की जानकारी मिली थी, जिसके बाद तुरंत कार्रवाई की गई। इस घटना को लेकर बरपेटा सदर थाने में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई गई है।

पीएमआई ने तंबाकू का अवैध कारोबार रोकने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

गुवाहाटी। हाल ही में *अवैध सिगरेट बंद करने* पर एक सत्र के दौरान, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) के एशिया पैसिफिक में अवैध व्यापार रोकथाम (इलिसिट ट्रेड प्रिवेंशन) के प्रमुख, रोडनी वान डूरन ने आसियान क्षेत्र में तंबाकू की कालाबाजारी से निपटने के लिए सीमा पार सहयोग मिलने और सख्त कानून लागू करने के महत्व पर जोर दिया। पिछले एक साल में आसियान देशों की सरकारों और कानून लागू करने वाली एजेंसियों ने सिगरेट की तस्करी और काले बाजार पर नियंत्रण के प्रयासों को तेज कर दिया है। इसके बावजूद, समस्या अभी भी गंभीर बनी हुई है, क्योंकि इन देशों में उपभोग को जाने वाली हर चार में से एक सिगरेट अवैध होती है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय अपराध का रूप ले चुका है, जिसमें भारत और थाईलैंड जैसे देश तस्करी के लिए ट्रॉजिट हब और उपभोग बाजार (कंजेशन डिस्टेंशन) दोनों के

रूप में काम कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के फ्रेमवर्क कन्वेंशन ऑन टोबैको कंट्रोल के अनुसार, भारत अवैध तंबाकू व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रॉजिट हब और प्रमुख उपभोक्ता बाजार दोनों के रूप में उभर रहा है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध सिगरेट की तस्करी बंदरगाहों, हवाई अड्डों और जमीनी सीमाओं के माध्यम से होती है। सबसे बड़ी चिंता भारत में अवैध सिगरेट बाजार का लगातार बढ़ता प्रभाव है। भारत में अवैध सिगरेट का कुल खपत में 26.1 प्रतिशत हिस्सा है, जिससे सरकार को हर साल 2.4 बिलियन डॉलर से अधिक के कर नुकसान का अनुमान है। हाल ही में *अवैध सिगरेट को रोकना* विषय पर आयोजित एक सत्र में, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल के एशिया प्रशांत क्षेत्र में अवैध व्यापार रोकथाम प्रमुख रोडनी वान डूरन ने कहा कि आसियान क्षेत्र में मौजूद खामियां अवैध सिगरेट बाजार को बढ़ावा देती हैं।

नवनिर्वाचित समरिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर पंचायत में चल रहा विवाद

अध्यक्ष को हटाने की मांग को लेकर संवाददाता सम्मेलन का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। नवनिर्वाचित समरिया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को लेकर पंचायत में विवाद चल रहा है। नव चयनित ब्लॉक वरिष्ठ कांग्रेसियों के एक समूह और कई मंडल कांग्रेस समितियों की पहल पर आज तुपामारी में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें अध्यक्ष मोजमेल हक को रद्द करने की मांग की गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोजमेल हक को *अकांग्रेसमैन* कहा गया और कांग्रेस विधायक रिकीबुद्दीन अहमद के हस्तक्षेप पर मोजमेल हक को अध्यक्ष बनाने के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने छयागांव निर्वाचन क्षेत्र के विधायक रिकीबुद्दीन अहमद को छयागांव में वापस रहने की चेतावनी दी और उनसे समरिया की किसी भी संगठनात्मक गतिविधियों में हस्तक्षेप नहीं करने का आग्रह



किया। एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने ब्लक कांग्रेस कमेटी से मोजमेल हक को रद्द करने और विधायक नदिता दास के नेतृत्व वाली समरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष का चयन करने का आग्रह किया। समरिया प्रखंड के वरिष्ठ कांग्रेसी और मंडल कांग्रेस कमेटी के सात-सात पदाधिकारी ने भी मांग की है। समरिया क्षेत्रीय पंचायत के पूर्व अध्यक्ष अमजद अली, समरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष कुतुबुद्दीन अहमद, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक शेख मोहम्मद पीयार अली, तुपामारी मंडल कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल हामिद, सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक आकबर अली मियां, तुपामारी मंडल कांग्रेस अध्यक्ष अब्दुल हमीद, इस अवसर पर भुखुरदिया रींगरवी मंडल कांग्रेस अध्यक्ष अतवर रहमान, डॉ. रफीकुल हसन, जहाउद्दीन अहमद सहित अन्य नेता और कांग्रेस के पदाधिकारी मौजूद थे।

होजाई के श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण में माता शीतला की पूजा करने उमड़े भक्त



होजाई (निंस)। शीतला अष्टमी के उपलक्ष्य पर आज स्थानीय श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर प्रांगण परिसर में माता शीतला की पूजा-अर्चना करने हेतु उमड़े भक्त। उल्लेखयोग्य है,

शीतला अष्टमी को बसोड़ा पूजा के नाम से भी जानते हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, शीतला माता की पूजा हर साल चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को की जाती है। इस दिन घरों में

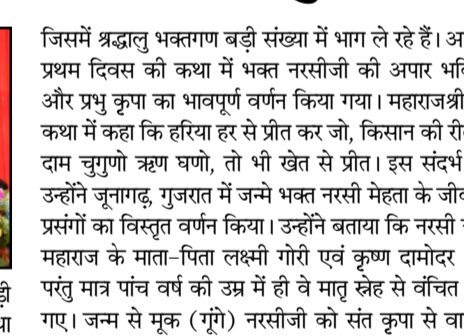
चूल्हा नहीं जलाया जाता है। शीतला अष्टमी के दिन लोग माता शीतला को बासी खाने का भोग लगाते हैं। बाद में इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण किया जाता है। शीतला अष्टमी को ऋतु परिवर्तन का संकेत भी माना जाता है। क्योंकि इस दिन के बाद से ग्रीष्म (गर्मी) ऋतु शुरू हो जाती है और गर्मियों में बासी भोजन नहीं खाया जाता है। इस संवाददाता से बात करते हुए पंडित सुनील शास्त्री ने बताया कि श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर प्रांगण परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखी गई जहां भक्तगण माता शीतला की पूजा अर्चना करने हेतु पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा माता शीतला की पूजा अर्चना करने से हर प्रकार के रोग, व्याधि, पीड़ा आदि का निराकरण होता है और माता शीतला की कृपा से सारी मनोकामनाएं की पूर्ति होती है।

बरपेटारोड : नानीबाई रो मायरो की संगीतमयी कथा का भव्य शुभारंभ



बरपेटारोड। पुण्य धरा बरपेटारोड के श्री राधाकृष्ण ठाकुरबाड़ी प्रांगण में तीन दिवसीय संगीतमयी नानीबाई रो मायरो कथा का भव्य शुभारंभ आज परम श्रद्धेय पं. श्री मालीराम जी शास्त्री के पावन श्रीमूक से हुआ। इस दिव्य आयोजन के यजमान श्री गोपालराम अग्रवाल एवं श्रीमती शकुंतला देवी अग्रवाल ने विधिवत पूजन-अर्चना कर कथा का शुभारंभ करवाया। समाज के सैकड़ों श्रद्धालु भक्तजन इस पावन आयोजन में सम्मिलित होकर कथा रस का आनंद ले रहे हैं। भव्य पंडाल, सुंदर विद्युत साज-सज्जा और भक्तिपूर्ण वातावरण से पूरा परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया है। दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक कथा प्रवाहित हो रही है, जिसमें श्रद्धालु भक्तगण बड़ी संख्या में भाग ले रहे हैं। आज प्रथम दिवस की कथा में भक्त नरसीजी की अपार भक्ति और प्रभु कृपा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। महाराजश्री ने कथा में कहा कि हरिया हर से प्रीत कर जो, किसान की रीत। दाम चुगुणो ऋण घणो, तो भी खेत से प्रीत। इस संदर्भ में उन्होंने जूनागढ़, गुजरात में जन्मे भक्त नरसी मेहता के जीवन प्रसंगों का विस्तृत वर्णन किया। उन्होंने बताया कि नरसी जी महाराज के माता-पिता लक्ष्मी गौरी एवं कृष्ण दामोदर थे, परंतु मात्र पांच वर्ष की उम्र में ही वे मातृ स्नेह से वंचित हो गए। जन्म से मूक (गुंगे) नरसीजी को संत कृपा से वाणी प्राप्त हुई, और तभी से वे राधा-कृष्ण भक्ति में लीन हो गए। महाराजश्री ने यह भी कहा कि साधु और संत में बड़ा अंतर होता है-साधु वह होता है जो भगवान से प्रेम करता है, और संत वह होता है जिसे स्वयं भगवान प्रेम करते हैं। कथा में यह भी वर्णन हुआ कि भक्त नरसीजी की अपार भक्ति के कारण उनके विरोधी भी बढ़ने लगे। गांववालों ने ईर्ष्या के चलते नरसीजी की परीक्षा लेने के लिए एक संत भेजा, परंतु भगवान स्वयं सबरा सेठ बनकर नरसीजी की मंडी में आए और उनकी भक्ति से प्रसन्न हो गए।

लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्डन रक्तदान शिविर का आयोजन किया



गुवाहाटी (विभास)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्डन हेल्थ सिटी, खानापाड़ा, गुवाहाटी में एक रक्तदान अभियान आयोजित किया। इस अभियान में क्लब के सदस्यों ने एक व्यक्ति को चार यूनिट रक्त दान किया। रक्तदान एक ऐसा कार्य है जो जीवन बचा सकता है और हमें गर्व है कि क्लब के सदस्यों ने इस कारण का समर्थन करने के लिए आगे आए। इस रक्तदान अभियान में लायन मनोज भजनका, लायन दीपक भजनका, लायन राहुल तुलस्यान और लायन विकास मिश्रल (कैपिटल) ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह जानकारी प्रेस विज्ञापित के द्वारा क्लब की जनसंपर्क अधिकारी जया पारीक ने दी है।



नशे के खिलाफ जंग जारी एक करोड़ की हेरोइन जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम में नशे के खिलाफ अभियान के तहत नगांव पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गेरेकी में एक वाहन को रोका और तलाशी के दौरान 461 ग्राम हेरोइन बरामद की। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने असम पुलिस की सराहना करते हुए इसे बेहतर बनाने का संकेत दिया। इसी तरह एक अन्य अभियान में गुप्त सूचना के आधार पर श्रीभूमि जिले के पथारकांडी थाना क्षेत्र में एंटी-नारकोटिक्स ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें 137 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए हेरोइन की काले बाजार में कीमत एक करोड़ रुपए से अधिक है।

रंगिया में कलिता आलपाइन जनजाति सम्मेलन की शुरुआत शोभायात्रा के साथ

रंगिया (निंस)। रंगिया में कलिता आलपाइन जनजाति सम्मेलन की द्विदिवसीय शुरुआत शोभायात्रा के साथ किया गया। तृणी स्थित राजा अरिमत क्षेत्र में संगठन का रंगिया जिले की मंत्रालय में आज 21 मार्च से तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रमों की शुरुआत किया गया। आज इस अवसर पर विशाल सांस्कृतिक शोभायात्रा निकाली गई। अधिवेशन के अवसर पर पावांगा उत्साह के साथ कलिता जनजाति के लोग एकत्रित हुए हैं। इसके अलावा राज्य के विभिन्न हिस्सों से लाखों स्व-जनजातीय लोगों के इकट्ठा होने की उम्मीद आयोजक समिति कर रही है। अधिवेशन के अवसर पर आम बैठक में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, रिटायर



लेफ्टिनेंट जनरल राणाप्रताप कलिता, सांसद भुवनेश्वर कलिता, दिलीप सैकिया, बिजुली कलिता मेधी के साथ-साथ मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, जयंतमल्ल बरुवा, पीयूष हजारिका, प्रशांत फुकन, विधायक रमेश नारायण कलिता सहित विशिष्ट व्यक्तियों के भाग लेने की आशा प्रकट की है। वही स्मृतिग्रंथ का विमोचन असम साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष डॉ. ध्रुवज्योति बोरा करेंगे। रात के समय में आयोजित होने वाला एक अन्य आकर्षक कार्यक्रम सांस्कृतिक कार्यक्रम होने की आशा आयोजक समिति ने व्यक्त की है।

बुटिक्स ऑफ इंडिया का फेस्टिव एडिशन एग्जिबिशन शुरू आगामी गणगौर, बिहू व ईद के मद्देनजर एक्सक्लूसिव कलेक्शन उपलब्ध

गुवाहाटी। खानापाड़ा स्थित होटल विवाता में शुक्रवार से बुटिक्स ऑफ इंडिया (बीओआई) के तत्वावधान में 40वां *स्प्रिंग एडिशन* नामक एग्जिबिशन का शुभारंभ हुआ। इस प्रदर्शनी सह विभूति का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में सामाजिक उद्यमी, द लूस इकोप्रिन्योर फेडरेशन की संस्थापक और सीईओ श्रीमती अलकानंदा दास, विशिष्ट अतिथि फिक्की लेडीज ऑर्गेनाइजेशन (नॉर्थ ईस्ट चैप्टर) की अध्यक्ष (निर्वाचित) रश्मि मनचंदा ने श्रीमती मीरा देवी अग्रवाल, बीओआई के संस्थापक तथा सीईओ संजय अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर श्री अग्रवाल ने कहा कि आगामी गणगौर तीज, रंगली बिहू व ईद के मद्देनजर एक्सक्लूसिव कलेक्शन उपलब्ध हैं। इन त्योहारों के लिए आयोजित इस



फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन में युवती एवं महिलाओं को लेटेस्ट ट्रेंड के फैशनबल कपड़ों से लेकर आभूषण व एसोसिएट एक छत तले उपलब्ध हैं। बुटिक्स ऑफ इंडिया के इस फैशन एंड लाइफस्टाइल एग्जिबिशन में देश के विभिन्न हिस्सों

से 40 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। देश की कई नामी गिरामी डिजाइनरों द्वारा तैयार किए गए परिधान, आभूषण सहित घरेलू साज-सज्जा की वस्तुएं उपलब्ध हैं। देश भर के प्रीमियम ब्रांडों के साथ फैशन में स्थानीय स्वाद को ध्यान में रखते हुए इस बार एग्जिबिशन में फेस्टिव कलेक्शन के साथ पहुंचे हैं। इनमें सावन सुखा, रूप शृंगार साड़ी, सुमन नथवानी (कोलकाता), आवामा ज्वेलर्स, आईवारा, रॉयल ज्वेलर्स व अन्य प्रमुख ब्रैंड शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बीओआई की इस दो दिवसीय प्रदर्शनी सह विभूति में युवतियों एवं महिलाओं के लिए लेटेस्ट ट्रेंड के कलेक्शन की भरमार है। उनका मानना है कि बीओआई न केवल खरीदारी करने की जगह है, बल्कि कई छोटे नवोदित उद्यमियों के लिए एक व्यापार मंच भी है, जो जीवन में कुछ बढ़ा करने का सपना देखते हैं। उल्लेखनीय है कि बीओआई समय-समय पर विभिन्न सामाजिक कार्यों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते आ रहा है। दो दिवसीय कार्यक्रम में प्रवेश पूरी तरह से नि:शुल्क है तथा इसका समापन शनिवार को होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट किया प्रस्तुत : गौरव गौतम

पलवल (हिस)। हरियाणा के युवा अधिकाृता एवं उद्यमिता तथा खेल और कानून एवं विधायी राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि विधानसभा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने वित्त मंत्री के रूप में अपना पहला और प्रदेश के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट प्रस्तुत किया है। इस बजट में युवा, महिला, श्रमिक, खिलाड़ी, स्टार्टअप, उद्योग जगत और किसानों सहित हर वर्ग-हर व्यक्ति का ध्यान रखा गया है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के विश्राम गृह में बजट को लेकर पत्रकार वार्ता में बोल रहे थे। खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि यह बजट सहभागितापूर्ण दृष्टिकोण एवं समावेशी निर्णय लेने के प्रति सरकार प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश के युवाओं को हर क्षेत्र में अपना उज्ज्वल भविष्य बनाने को लेकर संकल्पित है। इसी को लेकर हरियाणा को भविष्य सक्षम बनाने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ पब्ल्चर नाम से नया विभाग बनाया जाएगा। वहीं डेटा आधारित नीति निर्धारण व गवर्नेंस ऑटोमेशन से जनता के लिए एटिहासिक एआई मिशन को स्थापना की जाएगी। ग्युएएम और पंचकुला में एक-एक एआई हब स्थापित किया जाएगा। इससे प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष विपिन बेंसला व मीडिया प्रभारी ईश्वर सिंह आदि मौजूद रहे। खेल मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि बजट में पलवल जिला की भी विशेष ध्यान रखा गया है। जिले में एक बागवानी सेंटर खोला जाएगा। इसके अलावा जिले के गांव पेलक में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य भी जल्द शुरू करवाया जाएगा। इसके साथ बल्लभागढ़ से पलवल तक मेट्रो के विस्तार को लेकर भी जल्द कार्य शुरू करवाया जाएगा। वहीं जिले में एक बड़े गौ अभ्यारण्य का निर्माण करवाया जाएगा, जिसमें काफी संख्या में गौवशों को रखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि पलवल नगर परिषद का 133.61 करोड़ रुपए का ऐतिहासिक पास करवाया गया है। इससे पलवल के विकास कार्यों को गति मिलेगी। मंत्री गौरव गौतम ने बताया कि मुख्यमंत्री के अथक प्रयासों से पलवल के चहुँमुखी विकास को और गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि आने वाले छह महीनों में जिले की सभी टूटी सड़कों दुरुस्त करवाई जाएंगी। वहीं पलवल शेशनल हाईवे और शहर के चारों तरफ प्रवेश द्वार का निर्माण कराया जाएगा। वहीं पलवल शहर के सौंदर्यकरण का कार्य जारी है।

आईआरसीटीसी कराएगा परिवार के साथ आध्यात्मिक यात्रा, सात ज्योतिर्लिंग यात्रा 27 अप्रैल से

जयपुर (हिस)। गर्मियों की छुट्टियों को यादगार बनाने के लिए आईआरसीटीसी लिमिटेड एक खास पेशकश लेकर आया है। सात ज्योतिर्लिंग यात्रा नामक इस विशेष यात्रा से भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के माध्यम से परिवार के सदस्य, वरिष्ठ नागरिक और बच्चे सभी एक साथ भारत के सात पवित्र ज्योतिर्लिंग मंदिरों के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त कर सकेंगे। यह 11 दिवसीय यात्रा न केवल आध्यात्मिक बल्कि मनोरंजन और ज्ञानवर्धक अनुभव से भरपूर होगी। आईआरसीटीसी के अपर महाप्रबंधक/ पर्यटन योगेन्द्र सिंह गुर्जर ने बताया कि यह यात्रा 27 अप्रैल 2025 को श्रीगंगानगर से रवाना होकर वाया हनुमानगढ़, चुरू, सीकर, जयपुर और अजमेर से सवारियों लेती हुई जाएगी। इस यात्रा की अवधि 11 दिन की है जिसमें नागेश्वर (द्वारिका), सोमनाथ, त्रयम्बकेश्वर, भीमाशंकर, घुणेश्वर, महाकालेश्वर एवं ओमकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के साथ साथ भेंट द्राक़ा एवं द्राक़ाधीश मंदिर को देखने का मौका मिलेगा। गुर्जर ने बताया कि यह भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन कई प्रकार की सुविधाओं जैसे वातानुकूलित साधारण कोच, आधुनिक किचन-कार से सुसज्जित होगी। यात्रा को तीन श्रेणियां *इकोनॉमी*, *स्टैंडर्ड*, व *कंफर्ट* कटेगरी में विभाजित

असम की जेल में बंद अमृतपाल सिंह के 7 साथी पंजाब में शिफ्ट

अजनाला कोर्ट में किए गए पेश, चार दिन की मिली पुलिस रिमांड

चंडीगढ़ (हिस)। पंजाब में खालिस्तान समर्थक और खड्डू साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह के 7 साथी गुरुवार देर रात अमृतसर पहुंचे। रात में ही पुलिस ने उन्हें अज्ञात जगह सेफ हाउस में रखा। शुक्रवार सुबह उन्हें अमृतसर के अजनाला कोर्ट में पेश किया गया, जहां उन्हें 4 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। सुबह 10 बजे कोर्ट खुलने के समय से दो घंटे पहले ही 8 बजे अमृतपाल के साथियों भगवंत सिंह उर्फ *प्रधानमंत्री* बाजेके, दलजीत सिंह कलसी, बसंत सिंह, गुरमीत सिंह, अजनाला कोर्ट में किए गए पेश, चार दिन की मिली पुलिस रिमांड

लेन देन विवाद की आशंका : प्रोपर्टी डीलर की हत्या

जोधपुर (हिस)। शहर के निकट झालामंड स्थित मोती मार्केट में एक प्रोपर्टी डीलर पर हमला कर हत्या कर दी गई। उस पर लाठियों सरियों आदि से हमला किया गया। घटनाक्रम सीसीटीवी फुटेज में कैद हुआ है। उसे एम्स अस्पताल लाया गया, मगर तब तक उसकी मौत हो गई। इधर हत्या की सूचना मिलने के साथ ही राजपूत समाज लामबद्ध होकर एम्स अस्पताल पहुंच गया और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़ गया। दोपहर तक हत्या करने वाले हाथ नहीं लगे। एम्स अस्पताल में पुलिस बल को तैनात किया गया है। फिलहाल शव का

पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है। पुलिस की अलग अलग टीमें हत्यारों की तलाश जुटी है। कुड़ी भगतासनी थानाधिकारी हमीरसिंह ने बताया कि देर रात सूचना मिली कि मीरा नगर झालामंड क्षेत्र में रहने वाले चंदनसिंह (33) पुत्र हनुमान सिंह पर लेनदेन के विवाद को लेकर फलींदी के आमला निवासी मुकेश हाडा और उसके साथियों ने मोती मार्केट पुलिसे के नीचे बुलाकर जानलेवा हमला कर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे। मौका कारंबाई के बाद शव एम्स अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतक के भाई

भवानी सिंह की रिपोर्ट पर नामजद आरोपी मुकेश हाडा और उसके साथियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया। बताया गया कि मृतक चंदन सिंह प्रॉपर्टी का काम करता था और गुरुवार की रात्रि को लेनदेन के विवाद को लेकर आयोजित मीटिंग में भाग लेने अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी लेकर आया था। देर रात तक पाटी और मीटिंग हुई, उसके बाद चंदन सिंह अपनी गाड़ी लेकर घर चला गया। इस बीच दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति का मोबाइल स्कार्पियों में रह गया था जिसे रात या सुबह देने को लेकर कहासुनी हुई, बाद में जब चंदन सिंह

वापस पुल के पास पहुंचा तो वहां पर हमलावरों ने उस पर हमला कर दिया। झालामंड क्षेत्र में देर रात हुए इस मर्डर की जानकारी क्षेत्रवासियों को लग गई थी। इधर मृतक के परिजन, परिचित व क्षेत्रवासी थाने पहुंच गए व हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। मृतक चंदन सिंह पेशे से प्रॉपर्टी व्यवसायी था और विवाहित होने के साथ उसके दो छोटे बच्चे है। सुबह जब इस हत्याकाण्ड की सूचना चंदन सिंह के समाज के लोगों को लगी तो वो भी एम्स पहुंचे और आर्पियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अड़ गए।

समाज एवं देश के विकास में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण : राज्यपाल

जेएनवी और आयुर्वेद विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह का आयोजन, राज्यपाल ने प्रदान की उपाधियां एवं मेडल

जोधपुर (हिस)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने युवा पीढ़ी से समय का पूरा-पूरा सदुपयोग करने और लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव रखते हुए समृद्धशाली और संपन्न भारत के निर्माण के प्रति कृतसंकल्प होकर कार्य करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि समाज एवं देश के विकास में अपनी अहम भूमिकाओं का निर्वाह करते हुए विकसित भारत-2047 की संकल्पना को पूरा करने में अपनी आत्मीय भागीदारी सुनिश्चित करें। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने इस दीक्षांत



समारोह के बाद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद

विश्वविद्यालय के आठवें दीक्षांत समारोह में भी शिरकत की। यह

प्रदेश सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाएगा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग

राज्य सरकार की उपलब्धियों को जन्ता तक पहुंचाने का लिया निर्णय

लखनऊ (हिस)।उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के आठ वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सभी जिलों में 25, 26 एवं 27 मार्च को पर्यटन विभाग की ओर से प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिलों में कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। इसके लिए महानिदेशक पर्यटन की ओर से सभी क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारियों को पत्र जारी कर दिया गया है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को दी। उन्होंने बताया कि 25 मार्च को प्रदर्शनी पंडाल का निर्माण करते हुए जिले के प्रतिनिधि एवं अधिकारी कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान पर्यटन विभाग की तैयार टीवीसी फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। पर्यटन विभाग की उपलब्धियों एवं गंतव्यों पर आधारित साहित्य का वितरण होगा। पर्यटन मंत्री ने बताया कि युवा पर्यटन क्लब के विद्यार्थियों को आमंत्रित कर पर्यटन व आधारित प्रतियोगिताएं जैसे वाद-विवाद, चित्रकला, लेख, वि्वज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही पर्यटन गंतव्यों पर आधारित फोटोग्राफी एवं रील्स निर्माण प्रतियोगिता का आयोजित की जाएगी।सर्वश्रेष्ठ रील निर्माण एवं फोटोग्राफी करने वाले छत्र को सम्मानित किया जाएगा।

अखिलेश यादव व राहुल गांधी को देखनी चाहिए छावा फिल्म : केशव प्रसाद मौर्य

उप मुख्यमंत्री ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ देखी ऐतिहासिक फिल्म छावा

लखनऊ (हिस)। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ फोनिकस प्लाजियो माल में ऐतिहासिक फिल्म छावा देखी। फिल्म देखने पहुंचे केशव प्रसाद मौर्य ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि छावा जैसी ऐतिहासिक फिल्म बहुत पहले बननी चाहिए थी। इसे हर किसी को देखना चाहिए, खासकर मुस्लिम परस्त राहुल गांधी और उनके सदाबहार दरबारी अखिलेश यादव व ममता दीदी जैसे नेताओं को, ताकि उन्हें समझ आ सके कि क्रूरता का दुःसारा नाम ही औरंगजेब था! केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि छावा केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि छत्रपति संभाजी महाराज के शौर्य और बलिदान का जीवंत प्रतीक है। संभाजी महाराज केवल एक योद्धा नहीं, बल्कि धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्र के रक्षक थे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास गवाह है कि औरंगजेब जैसे अत्याचारी आक्रांताओं के सामने सिर झुकाने वाले नहीं, बल्कि लोहा लेने वाले ही सच्चे नायक



होते हैं। लेकिन दुःखद है कि पहले की भांति विपक्षी दल आज भी मुगलों के पक्ष में तर्क गढ़ने में लगे हैं और औरंगजेब को अपना आदर्श मानते हैं। मैं उन सभी दलों के नेताओं से कहना चाहता हूं कि यह फिल्म अवश्य देखें और क्रूर औरंगजेब के असली चरित्र को जानें। छावा फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग करने वालों पर उन्होंने कहा कि यह फिल्म

बैन नहीं होंगी। इस प्रकार की फिल्में और बननी चाहिए। देश को सच जानना चाहिए। सपा सांसद द्वाए औरंगजेब को संत बताने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि आक्रमणकारी संत नहीं होता है। आक्रमणकारी अत्याचारी होता है। जिसने मंदिरों को तोड़ा हो। जिसने धर्मांतरण कराने के लिए बल का प्रयोग किया हो।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कल पांच दिवसीय देवभूमि कालवन प्रवासी पक्षी सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित बिहार दिवस महोत्सव का उद्घाटन करेंगे

पटना (हिस)। बिहार दिवस के आयोजन को लेकर राजधानी का ऐतिहासिक गांधी मैदान पूरी तरह सजकर तैयार है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को 22 से 26 मार्च तक चलने वाले इस आयोजन का उद्घाटन करेंगे। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार 10 गुणा अधिक क्षेत्रफल में यह आयोजन हो रहा है। इसकी थीम है- *उन्नत बिहार-विकसित बिहार*। स्वास्थ्य विभाग 22 और 23 मार्च को 15 मुफ्त हेल्थ स्टॉल लगाएगा। इन स्टॉलों पर शुगर टेस्ट, विशेषज्ञ परामर्श, एचपीवी वैक्सीन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा, 12 बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण काउंटर स्थापित किए जाएंगे। आयोजन की देखरेख सिविल सर्जन और 11 सीनियर डॉक्टरों की टीम द्वारा की जाएगी।बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिए महाबोधि मंदिर, नालंदा विश्वविद्यालय, विश्व शांति स्तूप, तख्त श्रीहरिमंदिर पटना साहिब जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों की थ्री-डी प्रतिकृतियां बनाई जाएंगी। इसका वर्चुअल माध्यम से सामान्य लोग भी आनंद ले सकेंगे। साथ ही पर्यटन सूचना केंद्र भी स्थापित होगा, जहां निवेश और पर्यटन नीति की जानकारी दी जाएगी। इस आयोजन में हथकरघा, हस्तशिल्प, चमड़ा, जूट और लाह उद्योगों से जुड़े उत्पादों की प्रदर्शनी भी

होगी। यह पहल स्थानीय कारीगरों, उद्यमियों और निवेशकों को जोड़कर बिहार के पारंपरिक उद्योगों के विकास और विस्तार को प्रोत्साहित करने का कार्य करेगी। राज्य सरकार की प्रमुख विकास योजनाओं, उपलब्धियों, आइकॉनिक भवनों और पर्यटक स्थलों की जानकारी प्रदान करने के लिए सूचना विभाग की ओर से विशेष स्टैंड बनाए जाएंगे। इसके साथ ही, लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विभाग की तरफ से नुकड़-नाटक का भी आयोजन किया जाएगा। समारोह में आने वालों के लिए सेल्फी प्वाइंट की भी व्यवस्था की गई है। सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए गांधी मैदान में मॉनिंग और इवनिंग वॉक पर रोक लगा दी गई है। इसके अतिरिक्त, अन्य प्रयोजनों के लिए भी 24 मांच तक प्रतिबंध लागू रहेगा। बिहार की हस्तशिल्प, हथकरघा और अन्य परंपरागत उत्पादों की झलक भी देखने को मिलेगी। स्टॉलों में हथकरघा और वस्त्र, बुनकरी, खादी के साथ हस्तशिल्प एवं चित्रकला जैसे मधुबनी पेंटिंग, मंजूषा पेंटिंग, टिकुली पेंटिंग, मुख्य आकर्षण की दृश्य रहेगे। इसके साथ ही हस्तनिर्मित शिल्प जैसे सिक्की कला, पेपर कढ़ाई, पेपर माचे, टेरा कोटा, के साथ अन्य चीजें प्रदर्शित की जाएंगी।

हिसार (हिस)। हरियाणा सरकार ने जौंद

जिले के नरवाना तहसील स्थित कालवन गांव में *देवभूमि कालवन प्रवासी पक्षी सामुदायिक रिजर्व* घोषित किया की है। यह क्षेत्र 27 एकड़, दो कनाल, और 11 मरला भूमि में फैला है। यहां प्रवासी पक्षियों की 34 प्रजातियां पाई जाती हैं जिनमें से 21 विदेशी और 13 भारतीय प्रजातियां हैं। इनमें स्टैंड पोचार्ड और ब्लैक-टेल्ड गोर्डवित की जैसी लुप्तप्राय प्रजातियां भी शामिल हैं। इस कॉमन पोचार्ड और ब्लैक-टेल्ड गोर्डवित की सुरक्षा, पर्यावरण संतुलन का संवर्धन और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम पर्यावरण संरक्षण के प्रति समुदाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। गत वर्ष 27 मई को ग्राम पंचायत द्वारा कालवन में जैव विविधता का कार्यक्रम किया जिसमें प्रसिद्ध वन्यजीव संरक्षक विनोद कड़वासरा के समक्ष आरक्षित क्षेत्र घोषित करवाने की मांग रखी और उसके बाद कार्यवाही आगे बढ़ी। वन्यप्राणी विभाग व उपायुक्त के माध्यम से प्रस्ताव मंगवाया। ग्राम पंचायत सरपंच कविता नैन की की अध्यक्षता में आयोजित

बैठक में प्रस्ताव पारित करके सरकार को भेजा गया। वन्यजीव संरक्षण में गत दशक से प्रयासरत वन्यजीव संरक्षक विनोद कड़वासरा ने बताया कि गांव कालवन के लोगों की भावनाओं के अनुरूप इस आरक्षित क्षेत्र का नाम देवभूमि सामुदायिक आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया है। गांव वासियों की मांग व पंचायत प्रस्ताव के अनुसार उपायुक्त जींद और नरवाना विधायक की अनुशंसा के साथ डिजिटल मानचित्र और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई, जिस अनुसार राज्य सरकार ने इस इलाके में समुदाय को बढ़ावा देने हुए आरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया। विनोद क?वासरा द्वारा तैयार की गई 100 पेड़ों से अधिक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट में इस इलाके के सभी प्रकार के विशेषतः प्रवासी पक्षियों, जीव जंतुओं और पेड़ पौधों का सचित्र विवरण दिया गया है। उन्होंने जैव विविधता संरक्षण में अपने लंबे अनुभव और विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए इस परियोजना को आकार दिया है। सरपंच प्रतिनिधि कुलदीप नैन ने बताया कि ग्राम



पंचायत व गांव कालवन के सभी लोग प्रवासी पक्षियों का संरक्षण करते आ रहे है। क्या होंगे फायदेवन्यजीव संरक्षण कानून 1972 के प्रावधानों अनुसार प्रबंधन समिति का गठन करके प्रस्ताव उचित माध्यम से सरकार को अनुमोदन के लिए भेजा जाएगा। प्रबंधन समिति में गांव से कम से कम पांच सदस्य, समुदाय प्रतिनिधि और जिला वन्य प्राणी विभाग प्रभारी सचिव के रूप में रहेगा। प्रबंधन समिति के सुझावों अनुसार ही इस इलाके

की प्रजातियों के लिए संरक्षण योजना तैयार करके सरकार को भेजी जाएगी। भविष्य की योजनाओं में प्रवासी पक्षियों के लिए सुविधाएं, समस्याओं का निवारण, वेटलैंड रखरखाव, क्षेत्रीय वनस्पतियों का पुनरुत्थान और स्थानीय समुदाय को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान शामिल हैं। कालवन की सरपंच कविता नैन का कहना है कि ग्राम पंचायत और सभी ग्रामवासी इस इलाके को आरक्षित घोषित करवाने के लिए प्रयासरत थे। इससे गांव को देश में अलग पहचाना मिलेगी। उन्होंने ग्राम पंचायत की तरफ से सरकार का आभार जताया है। राज्य वन विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य जीव संरक्षक डॉ. विवेक सक्सेना का कहना है कि यह सामुदायिक रिजर्व वन्य जीव संरक्षण विशेषकर प्रवासी पक्षियों के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने और स्थानीय समुदाय को पर्यावरणीय पहल में सक्रिय रूप से शामिल करने की दिशा में एक मील का पथर है। संरक्षित करने का यह कदम न केवल क्षेत्रीय जैव विविधता को संरक्षित करेगा, बल्कि अन्य जिलों और राज्यों के लिए एक प्रेरणादायक मॉडल भी बनेगा।

आठ ई मित्र केंद्रों के निरीक्षण में मिली अनियमितताएं



जोधपुर (हिस)। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग द्वारा जोधपुर जिले में ई मित्र केंद्रों के संबंध में प्राप्त हो रही शिकायतों पर कारंबाई की जा रही है। इसके अंतर्गत आठ ई मित्र धारकों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया तथा व्यस्थाओं में अनियमितता के चलते कई ई मित्र धारकों पर आवश्यक कार्यवाही की गई। सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग जोधपुर के संयुक्त निदेशक महेंद्र चौधरी ने बताया कि क्रियोस्क धारक हिमांशा प्रकाश, लाला लाजपत राय कॉलोनी चौपासनी रोड पर आईडी कार्ड तथा को ब्रांडेड नहीं मिलने तथा ई-मित्र धारक विष्णु नारायण व्यास, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पर आईडी कार्ड नहीं मिलने पर ई-मित्र डेकोय एप्स से सौ रूपए की पेनल्टी लगाई गई। इसी प्रकार ई मित्र धारक आसिफ खान, सिंधी मुस्लिम कॉलोनी, पाल रोड पर आई कार्ड नहीं मिलने तथा फर्जी प्रमाण पत्र की शिकायत पर ई मित्र डेकोया ऐप से सौ रूपए की पेनल्टी लगाई गई व ई मित्र को अस्थाई रूप से बीस दिन के लिए बंद किया गया। चौधरी ने बताया कि ई मित्र धारक सुरज नारायण ऑपोजिट हनुमान टेंपल, सरदारपुरा पर आईडी कार्ड नहीं मिलने और रेड लिस्ट नहीं मिलने, को ब्रांडेड नहीं मिलने और ओवर चार्जिंग के लिए ई मित्र पर ई मित्र डेकोय ऐप से सौ रूपए व 15 सौ रूपए की पेनल्टी लगाई गई तथा ई मित्र को अस्थाई रूप से सात दिन के लिए बंद किया गया।

बिहार प्रशासनिक सेवा के 46 अधिकारियों को मिली प्रोन्नति, अधिसूचना जारी

पटना (हिस)। राज्य सरकार ने बिहार प्रशासनिक सेवा के 46 अधिकारियों को प्रोन्नति दी है। इस संबंध में शुक्रवार को समाज्य प्रशासन विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गयी है। जारी अधिसूचना के अनुसार बिहार प्रशासनिक सेवा के 19 अधिकारियों को संयुक्त सचिव एवं समकक्ष स्तर वेतनमान- 13 में प्रमोशन देकर कार्यकारी प्रभार दिया गया है, जबकि 13 अधिकारियों को विशेष सचिव एवं समकक्ष स्तर वेतनमान- 14 में प्रोन्नति देकर कार्यकारी प्रभार दिया गया है। इनके अलावा बिहार प्रशासनिक सेवा के दो अधिकारियों को उपसचिव एवं समकक्ष स्तर वेतनमान-11 में प्रोन्नति देते हुए कार्यकारी प्रभार दिया गया है। बिहार प्रशासनिक सेवा के 12 अधिकारियों को अपर सचिव एवं समकक्ष स्तर- वेतनमान-13 ए में प्रोन्नति दी गई है।



Bureau of Indian Standards

भारतीय मानक ब्यूरो ने मानकीकरण के लिए वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 शुरू किया

नई दिल्ली

देश के सर्वोच्च मानक निकाय भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मानकीकरण का वार्षिक कार्यक्रम (एपीएस) शुरू किया है। यह पहल विभिन्न क्षेत्रों में गुणवत्ता मानकों को बढ़ाने के लिए नए मानक तैयार करने और मौजूदा मानकों को संशोधित करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि एपीएस की शुरुआत 5

से 11 मार्च, 2025 तक आयोजित कार्यक्रम के महत्व हितधारक परामर्श के बाद हुई है, जिसमें 40 मंत्रालयों और 84 उद्योग संघों के प्रतिनिधि शामिल थे। बीआईएस ने एक डिजिटल प्लेटफॉर्म भी पेश किया है, जो हितधारकों को मानकों का प्रस्ताव करने और उनकी प्रगति पर नजर रखने को अनुमति देता है। इसका उद्देश्य 23,000 से अधिक बीआईएस मानकों को अधिक से अधिक अपनाने में मदद करना है। मंत्रालय के मुताबिक इस अवसर पर बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार

तिवारी ने अपने संबोधन में सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने हितधारकों से मानकीकरण प्रक्रिया में सक्रिय रूप से योगदान देने और जहां जरूरी हो वहां विशेषज्ञों को नामित करने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, यह पहल मानकीकरण के लिए एक रणनीतिक, आवश्यकता-आधारित दृष्टिकोण सुनिश्चित करेगी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्राथमिकता देते हुए व्यापक रूप से अपनाने को बढ़ावा देगी। बीआईएस मानकीकरण प्रकोष्ठों के माध्यम

से मंत्रालयों और उद्योग संघों के साथ मिलकर काम करता है, जिसका उद्देश्य कमियों की पहचान करना और राष्ट्रीय मानकों के निर्माण में भाग लेना है। वर्ष 2025-26 के लिए एपीएस तैयार करने के लिए परामर्श बैठकों से पहले, बीआईएस ने 24 अगस्त से 25 जनवरी तक फोकस समूह बैठकों की एक श्रृंखला के साथ-साथ भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं और मिशनों के विरुद्ध भारतीय मानकों का व्यापक समन्वय अभ्यास किया।

न्यूज़ ब्रीफ

देश में 2028 तक होंगे 77 करोड़ 5जी उपभोक्ता



नई दिल्ली। देश में साल 2028 तक 5जी उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर करीब 77 करोड़ पहुंच जाएगी। अभी इनकी संख्या 29 करोड़ है। नौकिया की सालाना मोबाइल ब्रॉडबैंड डेवेलस रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में पूरे भारत में 5जी डाटा के इस्तेमाल में सालाना आधार पर तीन गुना की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। दिसंबर, 2024 में प्रति ग्राहक औसत मासिक 5जी डाटा खपत बढ़कर 40 जीबी पहुंच गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि 4जी और 5जी डाटा की खपत मिलकर पांच साल में 19.5 पीसीडी की सालाना वृद्धि दर से बढ़कर 2024 में 27.5 जीबी पहुंच गई। 5जी फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) के निरंतर बढ़ने से डाटा खपत में वृद्धि हो रही है। एफडब्ल्यूए ग्राहक अब औसत यूजर्स की तुलना में 12 गुना अधिक डाटा का उपभोग कर रहे हैं। यह बदलाव आवासीय और व्यावसायिक दोनों ही क्षेत्रों में नई सेवाओं के कारण हो रहा है।

इंडसइंड बैंक में लेखांकन विसंगतियों का पता लगाने पेशेवर कंपनी नियुक्त



नई दिल्ली। इंडसइंड बैंक ने अपनी लेखांकन विसंगतियों का पता लगाने के लिए एक पेशेवर कंपनी को नियुक्त किया है। अनुमान के अनुसार लेखांकन में 2,100 करोड़ रुपये की विसंगति से बैंक की निवल संपत्ति पर 2.35 प्रतिशत का असर पड़ सकता है। बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि निदेशक मंडल ने अपनी बैठक में विसंगतियों के मूल कारण की पहचान करने, प्रचलित लेखांकन मानकों के संबंध में व्युत्पन्न अनुबंधों के लेखांकन उपचार की शुद्धता व प्रभाव का आकलन करने के लिए एक व्यापक जांच करने हेतु स्वतंत्र पेशेवर कंपनी को नियुक्त करने का निर्णय लिया। इसके अलावा यह कंपनी किसी भी चूक की पहचान करेगी और लेखांकन में विसंगतियों के संबंध में जवाबदेही सुनिश्चित करेगी। निजी क्षेत्र के इस ऋणदाता ने 10 मार्च को अपने वायदा-विकल्प खंड में कुछ विसंगतियों के बारे में जानकारी दी थी।

व्यवसाय के लिए उपयोग होने वाले ड्रोन पर लग सकती है 5 फीसदी जीएसटी, इस समय ड्रोन पर जीएसटी दर उनके वर्गीकरण के हिसाब से अलग-अलग है



नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल अपनी अगली बैठक में कारोबार के लिए उपयोग होने वाले सभी तरह के ड्रोन पर समान रूप से 5 प्रतिशत जीएसटी लगाने का फैसला कर सकती है। सूत्रों के अनुसार यह फैसला ड्रोन के अलग-अलग वर्गीकरण को लेकर हो रहे भ्रम को दूर करने और उद्योग को स्पष्टता देने के लिए उठाया जा रहा है। कारोबार के जानकारी के मुताबिक यह फैसला भारत के तेजी से बढ़ते ड्रोन उद्योग के लिए बड़ी राहत बन सकता है। फिलहाल देश में लगभग 488 ड्रोन कंपनियां काम कर रही हैं, जिन्होंने अब तक करीब 518 मिलियन डॉलर का निवेश हासिल किया है। इस समय ड्रोन पर जीएसटी दर उनके वर्गीकरण के हिसाब से अलग-अलग है। कारोबार के लिए उपयोग होने वाले ड्रोन अगर एचएएसएन कोड 8806 के तहत 'एयरक्राफ्ट' के रूप में आते हैं तो उन पर 5 फीसदी जीएसटी लगती है। वहीं अगर ड्रोन में कैमरा जुड़ा हो और उसे एचएएसएन 8525 के तहत 'डिजिटल कैमरा' माना जाए, तो उस पर 18 फीसदी जीएसटी लगती है। इसके अलावा, व्यक्तिगत इस्तेमाल के लिए खरीदे गए ड्रोन पर एचएएसएन 8806 के तहत 28 फीसदी तक जीएसटी लगती है। सरकार ने हाल के समय में ड्रोन को बढ़ावा देने के लिए कई जरूरी कदम उठाए हैं। कृषि, लॉजिस्टिक्स, पब्लिक सेफ्टी और कंस्ट्रक्शन जैसे क्षेत्रों में ड्रोन के इस्तेमाल को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

फिलिपकाट देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स का तेजी से कर रहा है विस्तार

नई दिल्ली

ऑनलाइन शॉपिंग के लिए प्रमुख भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी फिलिपकाट अपने प्लेटफॉर्म का विस्तार टियर-1 के साथ ही टियर-2 और टियर-3 शहरों में तेजी के साथ कर रही है, ताकि इस ऐप के जरिए ग्राहक घर बैठकर आराम से अपने मनपसंद भाषा में खरीदारी कर सकें। डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के साथ अपनी सप्लाय चैन (आपूर्ति श्रृंखला) का विस्तार फिलिपकाट ने किया है, जिससे देशभर में तेजी से और अधिक कुशलता से डिलीवरी संभव हुई है। इससे अलावा कंपनी ने विक्रेताओं को और अधिक सहयोग प्रदान करने के लिए फिलिपकाट ने कई सुविधाएं शुरू की हैं।

फिलिपकाट प्राइवेट लिमिटेड के विस्तार और खरीदारी की जरूरतों को पूरा करने वाले भरोसेमंद ऐप के बारे में ई-कॉमर्स कंपनी फिलिपकाट के बिजनेस हेड साकेत चौधरी ने बातचीत की। ऐसे में आइए जानते हैं कि उन्होंने फिलिपकाट की भविष्य की योजना को लेकर क्या-क्या बताया?

टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स का विस्तार और इस दिशा में फिलिपकाट की अगुआई पहल क्या है— देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों में ई-कॉमर्स कंपनियों का तेजी से हो रहा है। फिलिपकाट इन क्षेत्रों में बढ़ते डिजिटल एडॉप्शन (स्वीकार्यता) और उपभोक्ताओं को बदलती प्राथमिकता को दर्शाता है। फिलिपकाट ने भी इस बदलाव को संभव बनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके लिए हमने अपने लॉजिस्टिक्स, तकनीक और विक्रेता पारिस्थितिकी तंत्र (सेलस इकोसिस्टम) मजबूत किया है, ताकि सभी तक आसान पहुंच सुनिश्चित किया जा सके। इन प्रमुख क्षेत्रों में फुलफिलमेंट सेंटर, सॉर्टिंग हब और



डिस्ट्रीब्यूशन सेंटर के साथ अपनी सप्लाय चैन (आपूर्ति श्रृंखला) का विस्तार फिलिपकाट ने किया है, जिससे देशभर में तेजी से और अधिक कुशलता से डिलीवरी संभव हुई है। भारत को ध्यान में रखकर तैयार मैपिंग, जियोकोडिंग और एजीवी जैसे समाधान से दूरदर्ज में सटीक डिलीवरी सुनिश्चित होती है।

अपने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कितने ग्राहकों को मौका देता है फिलिपकाट फिलिपकाट 14 लाख विक्रेताओं को ज्यादा से ज्यादा ग्राहकों तक पहुंचने का मौका देता है, जिससे मार्केटिंग या डिस्ट्रीब्यूशन के लिए बड़ा निवेश किए बिना ही उन्हें अपना कारोबार बढ़ाने में मदद मिलती है। इन विक्रेताओं में से कई टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। डिजिटल पेमेंट के बढ़ने, पारंपरिक व्यवसायों के डिजिटल होने और कंपनी के सतत नवाचार के दम पर भारत का ई-कॉमर्स परिदृश्य आगे और भी तेजी से विकास करने के लिए तैयार है। इसके साथ ही एक फरेल मार्केटप्लेस के रूप में फिलिपकाट समावेशी आर्थिक विकास को गति देने और पूरे भारत में ई-कॉमर्स की पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एआई और डेटा एनालिसिस से ई-कॉमर्स पर कैसे प्रभाव पड़ रहा है

सप्लाय चैन में एफिशिएंसी (दक्षता) और पर्सनलाइजेशन (व्यक्तिकरण) को बढ़ावा देते हुए एआई और डेटा एनालिटिक्स ई-कॉमर्स परिदृश्य में बदलाव ला रहे हैं। मांग को लेकर पूर्वानुमान एवं इंटेलिजेंट तरीके से इन्वेंट्री मैनेजमेंट से लेकर रियल टाइम रूट ऑप्टिमाइजेशन एवं फ्रॉन्ट डिटेक्शन (धोखाधड़ी की पहचान) करने तक एआई की मदद से हम बड़े पैमाने पर बेहतर तरीके से निर्णय ले सकते हैं।

फिलिपकाट ई-कॉमर्स ऑपरेशंस को बढ़ाने, लॉजिस्टिक्स को ऑप्टिमाइज करने और ग्राहकों एवं विक्रेताओं के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए एआई एवं मशीन लर्निंग का लाभ उठा रहा है। एआई-संचालित जियोकोडिंग और एड्रेस इंटेलिजेंस को उदक से पते में किसी भी तरह की खामो की त्रुटि का आभास जाता है, जिससे तेज और अधिक सटीक डिलीवरी संभव होती है।

दूसरी ओर, फुलफिलमेंट सेंटर पर ऑटोमेटेड गाइडेड व्हीकल्स (एजीवी)

की मदद से सॉर्टिंग बेहतर होती है, जिससे ज्यादा मांग वाले समय में तेज और सटीक निर्णय सुनिश्चित हो पाता है। एआई-संचालित कैटलॉगिंग, ऑनबोर्डिंग और लिफ्टिंग समाधान विक्रेताओं के लिए संचालन को आसान बनाते हैं, ई-कॉमर्स की दुनिया में कदम रखने की बाधाओं को कम करते हैं और डिजिटल सिस्टम की स्वीकार्यता को गति देते हैं। इसके अतिरिक्त, एआई-संचालित इनसाइट्स उत्पादों की गुणवत्ता को पहचानने और इन्वेंट्री मैनेजमेंट को ऑप्टिमाइज करने, रिटर्न को कम करने और उपलब्धता में सुधार में मदद करते हैं।

फिलिपकाट किन क्षेत्रों में एआई का लाभ उठा रहा और यह किसना प्रभावी रहा है ग्राहकों की नजर से देखें, तो उत्पादों की तस्वीर एवं विवरण तैयार करके जनरेटिव एआई कैटलॉगिंग में क्रांति ला रहा है। इससे पारंपरिक तरीके से फोटोशूट करने की आवश्यकता समाप्त हो गई है। एआई ग्राहकों के लिए खरीदारी के उनके सफर को पर्सनलाइज करता है। उन्हें उनकी जरूरत के हिसाब से प्रोडक्ट रिकमेंड किए जाते हैं। साथ ही, बहुभाषी इंटरफेस (12 क्षेत्रीय भाषाएं) और वचुअल ट्राई-ऑन व स्कैन एनालाइजर जैसे इंटरैक्टिव टूल भी प्रदान किए जाते हैं, जिससे फैशन और ब्यूटी शॉपिंग का अनुभव बेहतर होता है। इसके अलावा, एआई-संचालित मैपिंग तकनीक से टुकड़ों को रियल टाइम में ट्रैक किया जाता है, जिससे बिना किसी बाधा के सप्लाय चैन मैनेजमेंट संभव होता है। एआई में इस प्रगति से दक्षता में सुधार आया है, लागत कम हुई है और ज्यादा स्मार्ट एवं समावेशी डिजिटल शॉपिंग इकोसिस्टम बना है। इससे भारत के ई-कॉमर्स परिदृश्य में फिलिपकाट के नेतृत्व को मजबूती मिली है।

वॉरेन बफेट अरबपतियों की सूची में छठे स्थान पर



नई दिल्ली

दुनियाभर के शेयर बाजारों में जारी उतार-चढ़ाव के बीच

मशहूर निवेशक वॉरेन बफेट ने इस साल की शुरुआत से अब तक उन्होंने 22.3 अरब डॉलर की कमाई की है, जिससे उनकी कुल संपत्ति 164 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। जिससे वह दुनिया के छठे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। बफेट की यह बढ़त मुख्य रूप से उनकी निवेश कंपनी बर्कशायर हेथवे के शेयरों में आई 16 फीसदी की बढ़ोतरी के कारण हुई है।

इस बीच अन्य शीर्ष अरबपतियों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। बर्कशायर हेथवे ने हाल ही में जापानी कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई

बर्कशायर हेथवे के शेयरों में आई 16 फीसदी की बढ़ोतरी

है, जबकि पिछले साल इसने बैंक ऑफ अमेरिका और एप्पल के अरबों डॉलर के शेयर बेच दिए थे। बफेट ने अपने निवेशकों को आश्चर्य किया है कि उनकी कंपनी भविष्य में भी बड़े स्तर पर इकट्टी में निवेश करती रहेगी। उनकी यह रणनीति शेयर बाजार में लंबे समय तक स्थिरता बनाए रखने और अधिक मुनाफा कमाने पर केंद्रित है। बूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार वॉरेन बफेट अब दुनिया के छठे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उनसे ऊपर एलन मस्क, जैफ बेजोस, मार्क जुकरबर्ग, बर्नार्ड अर्नाल्ट और लैरी एलिसन जैसे दिग्गज अरबपतियां हैं। एलन मस्क अब भी 310 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं, जबकि जैफ बेजोस 217 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

भारत अपना खुद का वेब ब्राउजर बनाएगा



नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत अपना खुद का वेब ब्राउजर बनाने के बारे में विचार कर रहा है और इसके लिए सरकार ने एक प्रतियोगिता के माध्यम से तीन कंपनियों को चुन लिया है। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत एक स्वदेशी वेब ब्राउजर विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित भारतीय वेब ब्राउजर डेवलपमेंट चैलेंज में जोहो कार्पोरेशन के उला को विजेता घोषित किया गया है और इसके लिए जोहो की टीम को एक करोड़ रुपये का पुरस्कार मिला है। दूसरा पुरस्कार फिंग को मिला और 75 लाख रुपये की इनामी राशि दी गई। तीसरा पुरस्कार टीम अजना को मिला और उन्हें 50 लाख रुपये इनाम में दिए गए।

भारत में 2025 में हवाई यात्रियों की संख्या सात प्रतिशत बढ़ेगी

सिंगापुर

अमेरिका की एक एविएशन कंसल्टेंसी के निदेशक ने कहा कि भारत में हवाई यात्रियों की संख्या 2025 में सात प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ने की उम्मीद है। इसे हवाई यात्रा करने वाले बढ़ते मध्यम वर्ग और किफायती हवाई यात्रा से काफी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह देश, जो एशिया

प्रांश की घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात मांग में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान देता है, कोविड-19 वैश्विक महामारी के पहले के स्तर पर लौट चुका है।

इस तरह की बढ़ती मांग भारत के बड़े पैमाने पर विमानन विकास कार्यक्रमों को समर्थन देती है, जिसमें देश भर में 150 हवाई अड्डों की स्थापना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत में यात्रियों की संख्या 2025 में सात प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ने की एल्टन एविएशन कंसल्टेंसी के निदेशक ने कहा कि

इसके अलावा, "एयर इंडिया और विस्तारा के बीच हाल में हुए विलय से भी उद्योग में अधिक स्थिरता आने की उम्मीद है।

क्योंकि एयर इंडिया और इंडिगो क्रमशः पूर्ण-सेवा तथा कम-लागत वाले वाहक खंडों में दो प्रमुख कंपनियां बनकर उभरेंगी। वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर उन्होंने कहा कि चूँकि

वैश्विक हवाई यातायात वैश्विक महामारी के पूर्व के स्तर पर लौट आया है, इसलिए विमानन उद्योग 2024 से 2034 तक चार प्रतिशत प्रति वर्ष की अपनी दीर्घकालिक वृद्धि प्रवृत्ति को जारी रखेगा। इसे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 2.7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि से बल मिलेगा।



इस तरह की बढ़ती मांग भारत के बड़े पैमाने पर विमानन विकास कार्यक्रमों को समर्थन देती है, जिसमें देश भर में 150 हवाई अड्डों की स्थापना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि भारत में यात्रियों की संख्या 2025 में सात प्रतिशत की मजबूत दर से बढ़ने की एल्टन एविएशन कंसल्टेंसी के निदेशक ने कहा कि

इसके अलावा, "एयर इंडिया और विस्तारा के बीच हाल में हुए विलय से भी उद्योग में अधिक स्थिरता आने की उम्मीद है।

क्योंकि एयर इंडिया और इंडिगो क्रमशः पूर्ण-सेवा तथा कम-लागत वाले वाहक खंडों में दो प्रमुख कंपनियां बनकर उभरेंगी। वैश्विक परिप्रेक्ष्य पर उन्होंने कहा कि चूँकि

वैश्विक हवाई यातायात वैश्विक महामारी के पूर्व के स्तर पर लौट आया है, इसलिए विमानन उद्योग 2024 से 2034 तक चार प्रतिशत प्रति वर्ष की अपनी दीर्घकालिक वृद्धि प्रवृत्ति को जारी रखेगा। इसे वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में 2.7 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि से बल मिलेगा।

नए कानून में नहीं लगेगा अप्रत्याशित कर लाभ

नई दिल्ली

तेल और गैस कंपनियों को नए कानून के लागू होने के बाद अप्रत्याशित लाभ (विंडफॉल टैक्स) कर जैसे किसी भी नए कर को झेलना नहीं पड़ेगा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि नए विधेयक के पारित होने के बाद इस तरह का कर लगाना कठिन काम हो जाएगा, क्योंकि कोई न कोई हम पर मुकदमा कर देगा। उन्होंने कहा कि तेल और गैस की खोज और उत्पादन में निवेश करने के इच्छुक निवेशक राजकोषीय स्थिरता चाहते हैं। नए कर, जो दरें कम होने पर कम या शून्य मार्जिन की भरपाई किए बिना, ऊंची कीमतों पर अर्जित लाभ को छीनने का प्रयास करते हैं, अक्सर बाधक होते हैं। भारत ने एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया और वह उन देशों की सूची में शामिल हो गया जो ऊर्जा



कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं। पिछले दो सप्ताह में तेल की औसत कीमतों का आधार पर हर पखवाड़े कर दरों की समीक्षा की जाती थी।

पिछले साल दिसंबर में 30 महीने बाद इस कर को खत्म कर दिया गया था। पुरी ने कहा कि वैश्विक तेल कंपनियां भारत में निवेश की संभावना तलाश रही हैं। ब्राजील की पेट्रोब्रास

अंडमान बेसिन की खोज के लिए ऑयल इंडिया के साथ बातचीत कर रही है। साथ ही ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (ओएनजीसी) गहरे पानी की खोज में सहयोग के लिए एक्सॉनमोबिल और इकॉनोमिक्स जैसी बड़ी कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। नया कानून उन सभी (अंतरराष्ट्रीय तेल कंपनियों) के लिए भारत आने और देखने के लिए स्थितियां बना रहा है।

एयर इंडिया 50 बड़े विमान खरीदने की तैयारी में

नई दिल्ली। एयर इंडिया अमेरिकी कंपनी बोइंग और यूरोप की एयरबस से करीब 50 बड़े विमान खरीदने पर विचार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया 30 से 40 बड़े विमान खरीदने की योजना बना रही है। इनमें एयरबस ए350 और बोइंग 777 एक्स मॉडल शामिल हो सकते हैं। यह संख्या 50 से भी ज्यादा हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि अभी बातचीत चल रही है और कुछ भी तय नहीं है। एक सूत्र ने बताया कि पेरिस एयर शो (जून में) के करीब चीजें साफ हो जाएंगी। इसका मतलब है कि जून तक पता चल सकता है कि एयर इंडिया कितने हवाई जहाज खरीदेगी। पिछले साल एयर इंडिया ने 470 विमान खरीदने का समझौता किया था। इसके अलावा कंपनी ने पिछले साल भी एयरबस से 100 विमान खरीदने के लिए डील की थी। इनमें से ज्यादातर छोटे आकार के विमान थे। अब कंपनी की बड़े विमान यानी वाइड-बॉडी एयरक्राफ्ट खरीदने की योजना है ताकि एयर इंडिया इंटरनेशनल मार्केट में अपनी जगह बना सके। टाटा ग्रुप के हाथों में आने के बाद एयर इंडिया में कई बदलाव हो रहे हैं। पहले सरकार के नियंत्रण में एयर इंडिया की हालत खराब थी। लेकिन विमानों की डिलीवरी में देरी होने की वजह से एयर इंडिया की तरक्की में रुकावट आ रही है।





महिला एनएसडब्ल्यू ओपन: दीक्षा डागर शानदार 4-अंडर 67 का स्कोर करके संयुक्त चौथे स्थान पर

वोलोंगोंग

पिछले हफ्ते कट मिस करने के बावजूद दो बार की लेडीज यूरोपियन टूर (एलटी) विजेता दीक्षा डागर ने महिला एनएसडब्ल्यू ओपन के पहले दौर में शानदार वापसी की। उन्होंने 4-अंडर 67 का स्कोर किया और संयुक्त चौथे स्थान पर रहीं। यह टूर्नामेंट 72-होल स्ट्रोक प्ले प्रारूप में खेला जा रहा है और इसमें 132 खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। वोलोंगोंग गोल्फ क्लब में नौवें होल (जो बैक नाइन का पहला होल है) से शुरूआत करने वाली दीक्षा का पहला

शॉट अच्छा नहीं रहा। हालांकि, इसके बाद उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाते हुए अगले 10 होल में सात बर्डी लगाईं। इसके बाद उनकी लय टूटी और तीसरे, पांचवें और छठे होल में तीन बोगी करने के बाद स्कोर में गिरावट आई। हालांकि, सातवें होल पर बर्डी करने के बाद उन्होंने 67 का स्कोर किया और संयुक्त चौथे स्थान पर बनी रहीं। स्पेन की नूरिया इतुरिओज और शरलू पिबलाडी कर्स्टन रुजले ने 65 (-6) के स्कोर के साथ पहले दौर की समाप्ति पर संयुक्त बढ़त बना ली।

अन्य भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन - प्रणवी उर्स ने इवन पार 71 का स्कोर किया और संयुक्त 37वें स्थान पर रहीं। पिछले हफ्ते टॉप-15 में जगह बनाने वाली रूकी अवनी प्रशांत ने 1-ओवर 72 का स्कोर किया और संयुक्त 54वें स्थान पर रहीं। प्रणवी ने दो बर्डी और दो बोगी की, जबकि अवनी ने दो बर्डी और तीन बोगी के साथ राउंड पूरा किया।

अन्य शीर्ष खिलाड़ी - चार बार की एलटी विजेता नूरिया इतुरिओज ने सुबह सात बर्डी करते हुए बढ़त बनाई, हालांकि तीसरे होल पर

एक शुरुआती बोगी भी की। दूसरी ओर, कर्स्टन रुजले ने हवा को अपने पक्ष में किया और पार-5 पहले होल पर बर्डी से शुरुआत की। इसके बाद चौथे, पांचवें और आठवें होल पर बर्डी की, हालांकि छठे होल पर उन्होंने एक शॉट गंवाया। दोपहर में हवाओं का सामना करते हुए रुजले ने 11वें, 13वें और 14वें होल पर बर्डी की और 65 (-6) का स्कोर बनाकर इतुरिओज की बराबरी की। स्वीडन की अन्ना मैनुसन ने बेहतरीन पुटिंग को बदौलत आठ बर्डी की और पहले दिन तीसरे स्थान पर रहीं।

न्यूज़ ब्रीफ

किर्सटी कोवेन्ट्री बनी आईओसी की पहली महिला और अफ्रीकी अध्यक्ष



नई दिल्ली। जिम्बाब्वे की किर्सटी कोवेन्ट्री को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की नई अध्यक्ष चुना गया है। वह 131 साल के इतिहास में इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला और पहली अफ्रीकी बनी हैं। साथ ही, वह इस पद को संभालने वाली सबसे युवा उम्मीदवार भी हैं। 41 वर्षीय कोवेन्ट्री, जो पहले जिम्बाब्वे की खेल मंत्री रह चुकी हैं, 23 जून को आधिकारिक रूप से पदभार ग्रहण करेंगी। वह थॉमस बाख का स्थान लेंगी, जिन्होंने अपने अधिकतम 12 साल के कार्यकाल को पूरा किया है। कोवेन्ट्री पहले भी आईओसी में एक अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उन्होंने 2018 से 2021 तक बाख के नेतृत्व वाली कार्यकारी बोर्ड में एथलीट प्रतिनिधि के रूप में सेवा दी थी। उनकी नियुक्ति ओलंपिक आंदोलन के लिए एक बड़ा बदलाव है। उन्हें आगामी आठ वर्षों के लिए यह जिम्मेदारी दी गई है। उनके सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं, जैसे खेल और वैश्विक राजनीति के बीच संतुलन बनाना, 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी को सुचारू रखना और 2036 ओलंपिक के मेजबान शहर का चयन करना। भारत और मध्य पूर्व इस मेजबानी की दौड़ में प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

घुटने की चोट के कारण गिरोना के स्पेनिश विंगर ब्रायन गिल का सीजन खत्म



मैड्रिड। स्पेन के अंतरराष्ट्रीय विंगर ब्रायन गिल इस सीजन में अब और नहीं खेल पाएंगे। गिरोना क्लब ने गुरुवार को पुष्टि की कि उन्होंने अपने दाएं घुटने के बाहरी लिगामेंट की सर्जरी कराई है। यह चोट उन्हें पिछले सप्ताह वेलेंसिया के खिलाफ घरेलू मुकाबले में 1-1 से ड्रों के दौरान लगी थी। गिल को पूरी तरह ठीक होने में लगभग चार से पांच महीने का समय लगेगा, तब तक उनका गिरोना के साथ लोन करार समाप्त हो जाएगा। 24 वर्षीय गिल इस सीजन में गिरोना के लिए अहम खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने ला लिगा, कोपा डेल रे और चैंपियंस लीग में कुल 32 मुकाबलों में हिस्सा लिया (28 बार शुरुआती एकादश में), जिसमें उन्होंने चार गोल किए और तीन अस्सिट दिए। गिल 2021 में सेविया से टोटनहम क्लब में शामिल हुए थे और उनका अनुबंध जून 2026 तक है। हालांकि, वह इंग्लैंड में खुद को स्थापित नहीं कर पाए और अब तक नॉर्थ लंदन क्लब के लिए सिर्फ 43 मैच खेले हैं। टोटनहम ने उन्हें पहले वेलेंसिया, फिर सेविया और अब गिरोना को लोन पर भेजा था।

10 खिलाड़ी वाली चीन की टीम विश्व कप क्वालीफायर में सऊदी अरब से हारी

रियाद। फीफा 2026 विश्व कप क्वालीफायर मुकाबले में चीन को गुरुवार को सऊदी अरब के खिलाफ 1-0 की



संकीर्ण हार का सामना करना पड़ा, जिससे वह एशियाई जोन के ग्रुप सी में तालिका के निचले पायदान पर बनी हुई है। मुकाबले का निर्णायक क्षण दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में आया, जब सऊदी अरब के मिडफील्डर सलेम अल दौसारी ने पास से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। यह गोल तब हुआ जब चीनी गोलकीपर वांग दालेंग ने पहले एक तेज शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन रीबाउंड पर अल दौसारी ने मौका बनाया। चीन की मुश्किलें पहले हाफ के अंत में तब बढ़ गईं, जब लिन लिंगमिंग को सऊदी डिफेंडर हसन कदीश के चेहरे पर खतरनाक किック मारने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। इस घटना के बाद खेल को लंबी देर तक रोक गया, क्योंकि कदीश को इलाज के लिए मैदान से रफ्तार पर बाहर ले जाना पड़ा। भले ही सऊदी अरब ने मुकाबले में ज्यादा समय तक गेंद अपने पास रखी, लेकिन वह अपने मौकों को भुना नहीं सकी।

हॉकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाप छोड़ने को तैयार

नई दिल्ली

हाल ही में हॉकी इंडिया असुता लकड़ा अर्वाइंड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला-अंडर 21) से सम्मानित भारतीय महिला हॉकी की उभरती हुई प्रतिभाशाली खिलाड़ी दीपिका अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हैं।

हॉकी इंडिया के मुताबिक हरियाणा के हिसार से ताल्लुक रखने वाली 21 वर्षीय दीपिका को इस पुरस्कार के तहत 10 लाख रुपये की नकद राशि भी प्रदान की गई। गोल करने की बेहतरीन क्षमता रखने वाली इस युवा फॉरवर्ड खिलाड़ी ने इस उपलब्धि पर अपनी खुशी जाहिर की। दीपिका ने कहा, हॉकी इंडिया असुता लकड़ा अर्वाइंड फॉर अपकमिंग प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला-अंडर 21) जीतना मेरे करियर का एक बड़ा मोल का पत्थर है। इस तरह की मान्यता युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत प्रेरणादायक होती है और यह हमें मैदान पर कड़ी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह पुरस्कार सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि मेरी यात्रा में शामिल हर व्यक्ति का है, जिन्होंने मुझे यहां तक पहुंचने में मदद की, और मैं इस समर्थन प्रणाली के लिए तहे दिल से आभारी हूँ।

यह पुरस्कार दीपिका के लिए और भी खास इसलिए था, क्योंकि उसी साल उनके आदर्श, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पुनिया को हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अर्वाइंड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) से सम्मानित किया गया। अपने आदर्श सविता पुनिया के प्रति अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए दीपिका ने कहा, बहुत कम उम्र में, जब मुझे यह भी नहीं पता था कि खेल एक पेशा हो सकता है, मैं हिसार ट्रेनिंग सेंटर में भारतीय महिला टीम के अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से लौटने पर उनका स्वागत करने जाती थी। खिलाड़ियों के लिए तालियाँ बजाना और सविता जैसी स्तारों को फूलों की माला पहनाना मेरे जीवन के सबसे अनमोल क्षण थे।

दीपिका ने यह भी बताया कि सविता से मिलने के बाद वह अपनी हॉकी रिस्क को खुद से दूर नहीं रखती थीं और अक्सर उसे अपने साथ लेकर सोती थीं, भारतीय जर्सी पहनने का सपना देखती थीं। अब जब उनका यह सपना पूरा हो चुका है, तो उनका अगला लक्ष्य विश्व कप में पौडियम फिनिश और भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए पहला ओलंपिक पदक जीतना है।



आने वाले समय को लेकर दीपिका ने कहा, इस साल हमारे लिए कई महत्वपूर्ण टूर्नामेंट हैं, खासकर महिला एशिया कप जो विश्व कप योग्यता के लिए भी अहम होगा। पूरी टीम इस टूर्नामेंट के लिए तैयारी कर रही है, और हरेंद्र सर यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि हम अपनी

सभी कमजोरियों को दूर करें।

दीपिका का प्रदर्शन 2022 एशियाई खेलों (हांगकॉंग) में कांस्य पदक और 2022 एशिया कप में कांस्य पदक जीतने में अहम रहा। इसके अलावा बिहार महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारत की स्वर्ण पदक विजेता टीम की भी वह प्रमुख सदस्य रही। दीपिका ने फाइनल में चीन के खिलाफ एकमात्र गोल दागा और पूरे टूर्नामेंट की शीर्ष स्कोरर रहीं, जिन्होंने 11 गोल किए। 2024 में उन्होंने कुल 26 मैचों में 17 गोल किए, जिससे वह महिला हॉकी की तीसरी सबसे ज्यादा गोल करने वाली खिलाड़ी बनीं। उनसे आगे केवल नीदरलैंड की थिब्वी जानसेन (29 गोल) और बेल्जियम की अंजे बालेंचिएन (19 गोल) थीं।

अभिषेक ने हॉकी इंडिया फॉरवर्ड ऑफ द ईयर चुने जाने पर कहा- लगातार दूसरी बार सम्मान पाना गर्व की बात

नई दिल्ली। अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित अभिषेक ने एक बार फिर खुद को भारत के शीर्ष हॉकी खिलाड़ियों में साबित किया है। उन्होंने 7वें वार्षिक हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स में लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया घनराज पिल्ले अवॉर्ड फॉर फॉरवर्ड ऑफ द ईयर जीता। 25 वर्षीय यह प्रतिभाशाली फॉरवर्ड अपनी तेजतर्रार गोल-स्कोरिंग क्षमताओं के लिए जाने जाते हैं और 2024 में भारत की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर टीम के अहम सदस्य बने रहे। इस अवॉर्ड के साथ हॉकी इंडिया ने अभिषेक को 5 लाख रुपये की नकद राशि से भी सम्मानित किया। अभिषेक ने 2024 पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने में अहम योगदान दिया था, जहां उन्होंने दो महत्वपूर्ण गोल किए। इसके अलावा, उन्होंने 2024 पुरुष एशियन चैंपियंस ट्रॉफी (चीन) में भी भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस टूर्नामेंट के फाइनल में उन्होंने दो गोल दागे और भारत को पांचवीं बार खिताब दिलाने में मदद की। अवॉर्ड मिलने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए अभिषेक ने कहा, अवॉर्ड सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि पूरी टीम और सपोर्ट स्टाफ का है। हॉकी एक टीम गेम है, और हर खिलाड़ी की मेहनत इस तरह की उपलब्धियों में योगदान देती है। लगातार दूसरी बार यह सम्मान प्राप्त करना मेरे लिए गर्व की बात है और मैं अपने साथियों व कोचों का शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, हम पूरे साल कठिन ट्रेनिंग करते हैं और जब हमारी मेहनत को इस तरह की पहचान मिलती है, तो यह बहुत खास होता है। मेरा फोकस हमेशा भारत के लिए अधिक से अधिक गोल करने और टीम को जीत दिलाने पर रहेगा।



जर्मनी ने नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल में इटली को दी मात

रोम

जर्मनी ने यूईएफए नेशंस लीग क्वार्टरफाइनल के पहले चरण में इटली को 2-1 से हराकर शानदार वापसी की। दोनों टीमों कई अहम खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी से जुझ रही थीं। इटली को सीरी ए के शीर्ष स्कोरर माटेओ रेटेगुर्द, फेडेरिको दिमाको और एंड्रिया कबियासो की सेवाएं नहीं मिल पाईं, जबकि जर्मनी को मार्क-आंद्रे टेरे स्टेगेन, काइ हैवर्ट्ज और प्लोरीयान वीर्ट्ज के बिना खेलना पड़ा।

मैच के नौवें मिनट में इटली ने बढ़त बना ली जब निकोलो बरेला के शानदार पास पर माटेओ पोलिटानो ने गेंद को खींचा और सेंड्रो टोनाली ने उसे गोल में बदल दिया। हालांकि, जर्मनी ने अधिक समय



तक बॉल पजेशन रखा, लेकिन इटली ने गोल के कई मौके बनाए। 30वें मिनट में टोनाली के जबरदस्त शॉट को गोरकीपर ओलिवर बोमन ने बचाया। कुछ देर बाद मोइसे कीन ने ऑफसाइड ट्रैप तोड़ा, लेकिन बोमन ने फिर से उनका शॉट रोक लिया। दूसरे हाफ की शुरुआत में ही जर्मनी ने बराबरी कर ली जब जोशुआ

किमिच ने एक बेहतरीन क्रॉस देकर सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी टिम क्लाडिबेर्ग को हेडर के जरिए गोल करने का मौका दिया।

इसके बाद इटली को लगातार दो मौके मिले, लेकिन टोनाली की बैकहील पास पर कीन गेंद को गोल के ऊपर मार बैठे, जबकि राफ्फाडोरी के शॉट को बोमन ने अपने पैर से रोक

लिया। 76वें मिनट में जर्मनी ने मैच पलट दिया जब किमिच के कॉर्नर पर लियोन गोरेट्ज़का ने एक और हेडर से गोल दाग दिया।

इटली ने हार टोलने के लिए भरपूर कोशिश की, लेकिन बोमन की शानदार गोलकीपिंग ने जर्मनी को जीत दिलाई।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स: व्हीलचेयर क्रिकेट, आर्म रेसलिंग के बाद ज्ञान प्रकाश शर्मा को बैडमिंटन से हुआ प्यार

नई दिल्ली

देश की राजधानी में शुरू हुए खेलो इंडिया पैरा गेम्स में हिस्सा लेने आये ज्ञान प्रकाश शर्मा ने जन्म से ही दोनों पैर लकवाग्रस्त होने के बावजूद बैडमिंटन को दिल से अपनाया। प्रतिभाशाली खिलाड़ी के रूप में उन्होंने उत्तर प्रदेश के लिए व्हीलचेयर क्रिकेट खेलना शुरू किया था और किसी के प्रेरित करने पर आर्म रेसलिंग में भी हाथ आजमाया, जिसमें उन्होंने राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। बिहार के पटना निवासी ज्ञान ने बैडमिंटन में अपनी पहचान बनाने की इच्छा व्यक्त जताई है।

व्हीलचेयर श्रेणी में खेलने वाले ज्ञान प्रकाश शर्मा ने इस साल डॉक्टर शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय (लखनऊ) से एचआर में एमबीए की

डिग्री प्राप्त की है। वह इसी विश्वविद्यालय के परिसर में बैडमिंटन का अभ्यास भी करते हैं। वे बिहार से खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण में भाग लेने वाले एकमात्र व्हीलचेयर बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। जब उनसे इस खेल से जुड़े सफर के बारे में पूछा गया तो ज्ञान ने बताया, लखनऊ में 2023 में पैरा नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप हुई थी। उस समय मैं एक कंपनी में काम कर रहा था, जो टूर्नामेंट स्थल पर हॉस्पिटैलिटी प्रबंधन कर रही थी। मैं खिलाड़ियों, मैच अधिकारियों और रेफरी से मिलता था। यह सब देखकर मैं इस खेल से बहुत प्रभावित हुआ और इसे खेलना शुरू किया। किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले ज्ञान ने 2024 में अपनी श्रेणी में विश्व चैंपियन का खिताब जीता और फिर झारखंड के जमशेदपुर में आयोजित



सीनियर नेशनल पैरा चैंपियनशिप में भाग लिया। यह मेरा पहला टूर्नामेंट था। मेरी श्रेणी में 64 खिलाड़ियों के बीच मैंने प्री-क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया। इसी के आधार पर मेरा चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के दूसरे संस्करण के लिए हुआ। यही कारण है कि मैं आज यहाँ आया हूँ यह देखने के लिए कि विकलांग खिलाड़ियों की कितनी देखभाल की जाती है। उत्तर प्रदेश के एक मित्र से उधार लिए व्हीलचेयर के सहारे दिल्ली आए ज्ञान प्रकाश शर्मा अच्छे आर्म रेसलर भी हैं और उत्तर प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट टीम के नियमित सदस्य भी हैं। उन्होंने पिछले साल इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया ओपन आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप में 57 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीता था। पीडिया से बातचीत में ज्ञान ने कहा, मेरा आर्म

रेसलिंग करियर बस एक संयोग था। मेरे मध्य प्रदेश के एक मित्र, रिकू, ने एक बार मजाक में मुझसे आर्म रेसलिंग करने के लिए कहा। मैंने कोशिश की और वह मुझे इसी की आशा थी। इसके बाद, उसने मुझे इस खेल में भाग लेने की सलाह दी और बताया कि इंदौर में ओपन चैंपियनशिप हो रही है। मैं बिना तैयारी के वहाँ गया और कांस्य पदक जीत लिया! ज्ञान ने बताया कि उन्होंने अपने परिवार की जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए एमबीए किया है और नौकरी पाना उनकी पहली प्राथमिकता है, लेकिन बैडमिंटन से उन्हें बेहद लगाव हो गया है और वे इस खेल में अपनी पहचान बनाना चाहते हैं। खेलो इंडिया पैरा गेम्स के बारे में बात करते हुए ज्ञान ने कहा कि भारत सरकार ने देश की राजधानी में बेहतरीन व्यवस्था की है।

बिटेन में एक चार साल की बच्ची ने अपने माता पिता का गाना सुनकर मीत को भी मात दे दी और कोमा से बाहर आ गई। इस बच्ची का नाम है मिली मोरन। मिली मोरन को कई बीमारियों ने जन्म से ही घेर रखा है। मिली जब पैदा हुई थी तब से ही उसकी रीढ़ की हड्डी के बीच आठ सेंटीमीटर का गैप था। इसके साथ ही उसके पैरियाज क्षतिग्रस्त थे। इसके अलावा

मां-बाप का गाना सुन कोमा से जागी 4 साल की बच्ची

भी उसको कई समस्याएं थी। मिली मोरन के अब तक 27 आपश्चर्य हो चुके हैं। मिली मोरन को 22 दिसंबर 2014 को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उस समय उसके चेस्ट इन्फेक्शन था। क्रिसमस के दिन उसके लंग्स ने भी काम करना बंद

कर दिया था जिससे वह कोमा में चली गई। चिकित्सकों ने हार मान ली लेकिन उसके माता पिता ने हार नहीं मानी। मोरन की मां एम्मा जेनी और पिता माइकल मोरन पे मशीन के माइक्रोफोन पर डिब्बी का म्यूजिकल सॉन्ग गाया। वे फोजन सॉन्ग गाते रहे क्योंकि बच्ची को यह गाना बहुत पसंद था। यह गाना सुनकर मिली कोमा से बाहर आ गई।

बेहद खतरनाक है क्रॉस लेग पोजीशन में बैठना

क्या आप भी बैठते वक अवसर अपने पैरों को क्रॉस पोजीशन में रखते हैं। यदि हा, तो सावधान हो जाएं। ये आदत आपको सेहत के लिये बेहद खतरनाक हो सकती है। अक्सर महिलाएं खासतौर पर सार्वजनिक स्थानों पर बैठने की इस मुद्रा को इस्तेमाल करना पसंद करती हैं। लेकिन ताजा अध्ययन के मुताबिक ये बेहद खतरनाक है। इस तरह बैठने से आपको शारीरिक बनावट पर असर पड़ता है।



सब्जियों के छिलकों में छुपे हैं ये सारे गुण



हम हमेशा सब्जी के छिलकों को उतार कर फेंक देते हैं पर ये छिलके आपकी दमकती त्वचा, स्वस्थ शरीर और शारीरिक मजबूती का कारण बन सकते हैं। इनको फेंकने के बजाए इनसे सूप, सलाद, जूस या स्मूदी बना कर फायदा उठा सकते हैं।

तरबूज के बीज

तरबूज के बीजों में आयरन, जिंक और कॉपर बहुतायत होता है। इससे प्रजनन क्षमता मजबूत होगी और दिल स्वस्थ रहेगा।

तरबूज का छिलका

तरबूज का छिलका, सफेद या हरा रंग का होता है जो कि सिट्रोनेल्ला नामक पदार्थ से मिलकर बनता है। इसमें अमीनो एसिड की मात्रा काफी होता है जिससे शरीर में रक्त का संचार अच्छी तरह होता है और रक्त वाहिकाओं की क्रिया सुचारू रूप से चलती है।

कीवी का छिलका

डार्क ब्राउन रंग के बालों वाले कीवी के छिलके, फाइबर और पोषण से भरपूर होते हैं। इनमें विटामिन सी की मात्रा काफी ज्यादा होती है।

गाजर और शलजम के पत्ते

गाजर और शलजम के पत्तों में कैल्शियम, मैग्नीशियम, नियासिन, लोहा, जस्ता, विटामिन बी व के और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो कि कैसर जैसी घातक बीमारी से लने की शक्ति प्रदान करते हैं और आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है।

ब्रोकली के पत्ते और डंडल

ब्रोकली बनाने समय हम उनके डंडल और पत्ते को फेंक देते हैं। इनमें विटामिन ए की मात्रा बहुतायत में होती है।

प्याज के छिलके और लहसुन की परत

इनमें एंटी-ऑक्सीडेंट की मात्रा काफी ज्यादा होती है, जो शरीर को सूजन और एलर्जी से बचाता है।

आजवाइन की पत्तियां

आजवाइन की पत्तियों में इसके तने या बीज से पाया गया ज्यादा कैल्शियम और मैग्नीशियम होता है। इसमें विटामिन सी की मात्रा भी बहुत होती है। यह आपके दिल को स्वस्थ रखता है और बढ़ती उम्र के लक्षणों को बाहर आने से बचाता है। इससे आपका रक्तचाप नियंत्रित रहता है और कैसर विरोधी गुण भी इसमें होते हैं।

आलू के छिलके

आलू के छिलकों में कैल्शियम, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, विटामिन सी, आयरन आदि होते हैं। ये सब हमारे शरीर के लिए लाभदायक होते हैं।

इन बातों का रखेंगे ध्यान तो नहीं करेगी गर्मी बेहल



मौसम में बदलाव का सबसे ज्यादा प्रभाव आपकी सेहत पर पड़ता है। गर्मी की चिलचिलाती धूप और गर्म हवाएं स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक होती हैं। इसलिए आपको सबसे ज्यादा ध्यान अपने खानपान पर देना चाहिए। सुबह ऑफिस निकलने के पहले आप नाश्ता जरूर कर के जाएं, गर्मी में चाय कम पीएं। इस मौसम में सेहत के प्रति छोटी लापरवाही भी आपको मुश्किल में डाल सकती है। गर्मी में डिहाइड्रेशन की समस्या ज्यादा होती है इसलिए पानी पर्याप्त मात्रा में पीएं। आइए जानते हैं इस मौसम में सेहत को फिट रखने के कुछ टिप्स...



इन बातों पर ध्यान दें

- आप अल्कोहल के इस्तेमाल से भी बचें। क्योंकि इन दोनों की तासीर गर्म होती है जो सेहत के लिए हानिकारक होता है।
- गर्मियों में तेज मिर्च-मसाले का कम मात्रा में खाएं।
- इस मौसम में हरी चटनियां जैसे धनिया, पुरीना, आंवला प्याज आदि की चटनी खा सकते हैं यह मौसम के अनुकूल भी है और साथ ही खाने का स्वाद भी बढ़ता है।
- इस मौसम में गन्ने का रस पीना सेहत के लिए फायदेमंद होता है।
- गर्मियों में तेज मिर्च-मसाले का कम मात्रा में खाएं।
- घूप से आने के बाद तुरंत पानी न पीएं और न ही तुरंत कपड़े उतारें।

गर्मी के मौसम में शरीर में पानी के स्तर को बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए यह भी जानना जरूरी है कि कौन सा पेय पदार्थ लें और कौन सा नहीं। आप कैसा पेय पदार्थ लें जिसको पीने के बाद गैस की समस्या उत्पन्न न हो, खासकर चाय पीना कम कर दें। अगर आप चाय पीते भी हैं तो सुबह शाम में ही पीएं। दिन में कम से कम 5 से 6 बॉटल पानी पीएं। इस मौसम में शरीर से पसीना बहुत ज्यादा निकलता है। इसलिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से शरीर में पानी का स्तर ठीक रहता है।

मौसमी फलों का ज्यादा सेवन करें

गर्मी के मौसम में मिलने वाली तरबूज, खरबूज, खीरा और ककड़ी आदि का सेवन आप भरपूर मात्रा में करें। अगर आपको पित्त की समस्या है तो खीरे के जूस में सेंधा नमक डाल कर पीने से फायदा मिलता है। यही नहीं यह गैस की समस्या में भी फायदेमंद होता है।

इनका करें उपयोग

गर्मी के मौसम में नारियल पानी पीना अमृत के समान है। यह शरीर में पानी की कमी को पूरा करने के साथ साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा जो भी सेहत के लिए गुणकारी होता है। जो के सत्तू को दही में डाल कर खाएं या इसे उबाल कर टमाटर और खीरा आदि के साथ नमक मिलाकर खाएं। आप चाहें तो गर्मी के मौसम में गेंहूँ और जौ के आटे का उपयोग भी कर सकती हैं। जो की रोटी शरीर को ठंडा भी रखेगी और पेट के लिए लाभकारी भी है।

नाश्ते से रात के खाने तक का रखें ध्यान

सुबह के नाश्ते में तरल पदार्थों से बचें, हो सके तो नारियल पानी, फल आदि को नाश्ता में प्रमुखता दें। सुबह नाश्ते में पोहे भी ले सकती हैं। अगर दोपहर में भूख नहीं लगी है तो आप काले चने की चाट का लुल्फ उठा सकती हैं। अगर आपको दोपहर में ज्यादा भूख लगी है तो रोटी, सब्जी, रायता, दही या छाछ को शामिल करें। गोभी इस मौसम में कम खाएं। आप बीन्स, पालक, सेम की फली और बैंगन आदि का सेवन कर सकती हैं। आप शाम के नाश्ते में मुरमुरे, भेलपुरी या सलाद भी ले सकते हैं। यदि शरबत पीना चाहती हैं तो नींबू पानी और छाछ आदि ले सकते हैं। रात का खाना हल्का खाएं रोटी कम, सलाद और सब्जी ज्यादा मात्रा में खाएं। सोने के समय चाय कॉफी बिल्कुल भी न पीएं। इससे अनिद्रा की समस्या हो सकती है।

बच्चों का रखें खास खयाल

इस मौसम में बच्चों को खाने में ऐसी चीजें न दें जो उनकी सेहत पर बुरा प्रभाव डालें। जंक फूड, नूडल्स आदि बिल्कुल भी न दें। बच्चों को खाने के बाद नींबू पानी या फल या उसका जूस जरूर पिलाएं, दोपहर के समय बच्चों को खेलने के लिए घर से बाहर न जाने दें।

सोने से पहले ऐसा करें... कम हो जाएगी तोंद



अपनी बढ़ी हुई तोंद से परेशान हैं, तो टेंशन न लें। हैरत होगी यह जानकर कि इसे कम करना आसान है। इसके लिए यह पीकर सोएं...फर्क कुछ दिनों में नजर आ जाएगा...

खीरा

सोने से पहले खीरे का जूस पीएं। यह पेट साफ करता है। यह फेट नहीं बढ़ने देता। एक खीरे में मात्र 45 कैलोरी होती है। इसमें 96 प्रतिशत पानी और फाइबर पाया जाता है, जो कि बिना कैलोरी के होता है, इसे खाने से आपका वजन नहीं बढ़ेगा। अगर आप खीरे से तैयार सलाद बना कर खाएं, तो 3 दिन में लगभग 2 किलो वजन तो कम हो ही जाएगा।

नींबू पानी

नींबू पानी मोटापा कम करने में कारगर है। सही है नींबू पानी पीएं और वजन घटाएं। नींबू पेट की चर्बी करने में सहायक है। नींबू के 2.5 ग्राम रस में करले का 15 ग्राम रस मिलाकर पीने से मोटापा नष्ट होता है। अगर जल्द मोटापा कम करना हो, तो हर भोजन के बाद गरम पानी में शहद और नींबू का रस डालकर पीने से एकस्ट्रा कैलोरी बर्न होती है।

अदरक का रस

एक चम्मच अदरक का रस तोंद कम कर सकता है। यह फेट बर्न करता है। एक गिलास कुनकुने पानी में आधे नींबू का रस, दस बूंद अदरक का रस पंद्रह दस ग्राम शहद मिलाकर रोज पीने से मोटापा कम किया जा सकता है।



एलोवेरा जूस

एलोवेरा जूस, अमृतबूटी समान होता है, हर मर्ज में यह काफी लाभकारी होता है। हर दिन एक ग्लास एलोवेरा जूस पीने से वजन घट जाता है और सही रहता है। इसे पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

यह ड्रिंक है गजब

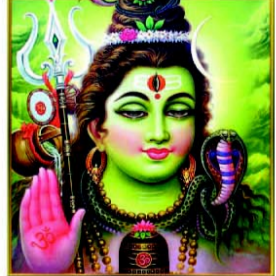
एक जग में दो लीटर पानी लें। उसमें दस-बारह पुदीना का पत्ते, एक छोटा चम्मच पिसा हुआ अदरक, एक मध्यम आकार का स्लाइस किया हुआ खीरा और एक नींबू स्लाइस किया हुआ सब एक एक करके डालें। इन सब चीजों को जग में डालकर रात भर के लिए थूँ ही छोड़ दें। एक महीने तक यह ड्रिंक पीएं। पेट की चर्बी काफी हद तक कम हो जाएगी।

विवेक और धैर्य ही मनुष्य के सच्चे मार्गदर्शक

भगवान से मिलती है लाइफ मैनेजमेंट की सीख

भगवान शिव को त्रिनेत्रधारी भी कहते हैं। लाइफ मैनेजमेंट की दृष्टि से देखा जाए तो शिव का तीसरा नेत्र प्रतीकात्मक है। जीवन में कई बार ऐसे संकट भी आ जाते हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते। ऐसे समय में विवेक और धैर्य ही एक सच्चे मार्गदर्शक के रूप में हमें सही-गलत की पहचान कराता है। यह विवेक अंतःश्रृंखला के रूप में हमारे अंदर ही रहता है। बस जरूरत है उसे जगाने की। भगवान शिव का तीसरा नेत्र आज्ञा चक्र का स्थान है। यह आज्ञा चक्र ही विवेक बुद्धि का स्रोत है।

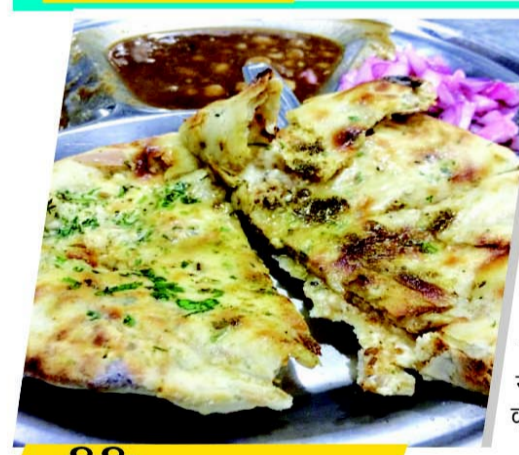
भगवान शिव जितने रहस्यमयी हैं, उनकी वेश-भूषा व उनसे जुड़े तथ्य उतने ही विचित्र हैं। आज महाशिवरात्रि के पर्व पर हम आपको भगवान शिव से जुड़ी ऐसी ही रोचक बातें व इनमें छिपे लाइफ मैनेजमेंट के सूत्रों के बारे में बता रहे हैं, धर्म ग्रंथों के अनुसार सभी देवताओं की दो आंखें हैं, लेकिन एकमात्र शिव ही ऐसे देवता हैं जिनकी तीन आंखें हैं। तीन आंखों वाला होने के कारण इन्हें त्रिनेत्रधारी भी कहते हैं। लाइफ मैनेजमेंट की दृष्टि से देखा जाए तो शिव का तीसरा नेत्र प्रतीकात्मक है। आंखों का काम होता है रास्ता दिखाना और रास्ते में आने वाली मुसीबतों से सावधान करना। जीवन में कई बार ऐसे संकट भी आ जाते हैं, जिन्हें हम समझ नहीं पाते। ऐसे समय में विवेक और धैर्य ही एक सच्चे मार्गदर्शक के रूप में हमें सही-गलत की पहचान कराता है। यह विवेक अंतःश्रृंखला के रूप में हमारे अंदर ही रहता है। बस जरूरत है उसे जगाने की। भगवान शिव का तीसरा नेत्र आज्ञा चक्र का स्थान है। यह आज्ञा चक्र ही विवेक बुद्धि का स्रोत है।



जैसा देश वैसा भेष

हमारे धर्म शास्त्रों में जहां सभी देवी-देवताओं को वस्त्र-आभूषणों से सुसज्जित बताया गया है वहीं भगवान शंकर को सिर्फ मुग चर्म (हिरण की खाल) लपेटे और भस्म लगाए बताया गया है। भस्म शिव का प्रमुख वस्त्र भी है क्योंकि शिव का पूरा शरीर ही भस्म से ढंका रहता है। शिव का भस्म रमाने के पीछे कुछ वैज्ञानिक तथा आध्यात्मिक कारण भी हैं। भस्म की एक विशेषता होती है कि यह शरीर के रोम छिद्रों को बंद कर देती है। इसका मुख्य गुण है कि इसको शरीर पर लगाने से गर्मी में गर्मी और सर्दी में सर्दी नहीं लगती। भस्मी त्वचा संबंधी रोगों में भी दवा का काम करती है। भस्मी धारण करने वाले शिव यह संदेश भी देते हैं कि परिस्थितियों के अनुसार अपने आपको ढालना मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है। भगवान शिव के हाथ में त्रिशूल यानी तीन प्रवृत्तियां- हर मनुष्य में ये तीनों प्रवृत्तियां पाई जाती हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि इनकी मात्रा में अंतर होता है। त्रिशूल के तीन नुकीले सिरे इन तीनों प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

रेसिपी



विधि

कुल्चा के आटे के लिए आटे और नमक को एक बाउल में एक साथ छान लें। दही डालकर, थोड़े गुनगुने पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूथ लें। गीले सूती कपड़े से ढककर, 2-3 घंटे कले लिए एक तरफ रख दें। भर्वा मिश्रण को 10 बराबर भाग में बांटकर एक तरफ रख दें। आटे को 10 बराबर भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को थोड़े सूखे आटे का प्रयोग कर छोटे गोल आकार में बेल लें। गीले के बीच में भर्वा मिश्रण के एक भाग को रखें। किनारों को साथ लाकर अच्छी तरह बंद कर लें। थोड़े सूखे मैदा का प्रयोग कर, दुबारा 75 मिमी (3) व्यास के गोल आकार में बेल लें। कुल्चा को घी से हल्का चुपड़ लें और गरम तवे पर, दोनों तरफ सुनहरे दाग पड़ने तक पका लें। इसे दोहराकर 9 और कुल्चे बनाएं। थोड़ा घी लाकर गरमा गरम परोसे।

पनीर कुल्चा

सामग्री

कुल्चा के आटे के लिए, 1 1/2 कप मैदा, 4 टेबल-स्पून दही, नमक स्वादअनुसार, मिलाकर भर्वा मिश्रण बनाने के लिए, 3/4 कप कसा हुआ पनीर, 1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/2 टी-स्पून कसा हुआ अदरक, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, एक चुटकी गरम मसाला, नमक स्वादअनुसार, अन्य सामग्री, मैदा, डस्ट करने के लिए, घी, ब्रश और पकाने के लिए



विधि

पनीर को प्लेट में रखकर अच्छी तरह गूथ लें। नमक, लहसुन, लाल मिर्च पाउडर, टोमेटो कैचप डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 9 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग को 50 मिमी (2) लंबे गोल आकार में रोल कर लें। एक तरफ रख दें। मैदा और 1/2 कप पानी को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। प्रत्येक रोल को मैदा-पानी के पेस्ट में डुबोकर क्रश किए हुए पापड़ में लपेट लें और सभी तरफ सुनहरी और करारा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर, टोमेटो कैचप के साथ तुरंत परोसे।

पापड़ पनीर फ्रिट्स

सामग्री

1 कप चूरा किया हुआ पनीर, नमक स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून कसा हुआ लहसुन, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टी-स्पून टोमेटो कैचप, 1/3 कप मैदा, 3/4 कप क्रश किए हुए पापड़, तेल, तलने के लिए, परोसने के लिए, टोमेटो कैचप

सक्सैस के लिए परफेक्शन-पैशन जरूरी

तेजी से बदलते जमाने और टेक्नोलॉजी के इस दौर में अपनी जगह व पहचान बनाने के लिए अपनी पसंद के क्षेत्र में पैशन होना बेहद जरूरी है, तभी आप परफेक्शन के साथ अपने टारकट पूरे करते हुए कामयाबी की ओर कदम बढ़ा सकते हैं। जानिए अपनी रुचि के क्षेत्र में पैशन होना क्यों है जरूरी है...

अपना लक्ष्य निर्धारित करके उसे पैशन बनाकर आगे बढ़ने वाले कभी भी भटकाव या दुविधा के शिकार नहीं होते। दरअसल, अपनी रुचि के क्षेत्र में पूरी तरह डूबकर ही वे अपनी मंजिल को आसान बना पाते हैं। जो दूसरों को देखकर उनकी राह का अनुकरण करने का प्रयास करते हैं, वे अपने भीतर छिपे गुणों को देख नहीं पाते। यही कारण है कि वे अपने मन की राह पर चलने की बजाय भटकाव के चौराहे पर पहुंच जाते हैं। जहां पहुंच कर उन्हें यह सुझाता ही नहीं कि अब किस राह पर वे आगे बढ़ें।

सैलफ एनालिसिस

दूसरों की तरफ देखने की बजाय सबसे पहले तो आप यह देखें कि आपको क्या अच्छा

सही समय, सही निर्णय

अब वह समय नहीं रहा कि आप निरुद्देश्य पढ़ते जाएं और किसी मंजिल पर न पहुंचें। आज जबकि करियर के अनगिनत नए क्षेत्र सामने आ चुके हैं, ऐसे में बिना मतलब हायर एजुकेशन लेते जाने को उचित नहीं कहा जा सकता। अपने करियर की दिशा दसवीं से बारहवीं तक जरूर तय कर लें।

लगता है, आपकी रुचियां किस तरह की हैं, किस तरह के काम करने में आपको मजा आता है और क्या करना अच्छा नहीं लगता? इस प्रक्रिया में आपको अपनी रुचि का क्षेत्र जानने-समझने में सहायता मिल सकती है। एक बार अपने मन का क्षेत्र चुन लेने के बाद आप उस पर कदम आगे बढ़ाएं। इसके लिए जरूरी कोर्स करें या ट्रेनिंग हासिल करें। थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल पर भी जोर दें।

खुद करें पहल

आप जो भी कोर्स कर रहे हैं, उससे जुड़ी प्रैक्टिकल बातों की अधिकतम जानकारी हासिल करने के लिए जब भी समय मिले, बाहर निकलें। संबंधित क्षेत्र के सर्विस सेंटर, शोरूम, फैक्ट्रीज आदि से संपर्क करें। वहां संबंधित अधिकारियों से विनम्रतापूर्वक काम सिखाने का अनुरोध करें। एक जगह काम न बने, तो संयम खोजे बिना दूसरी या तीसरी... जगह जाएं।